APPROVED BY DAVP

दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-15 अंक-338 | भोपाल, गुरुवार 05 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

कोरोना का नया वैरिएंट 27 राज्यों में फैला

4302 एक्टिव केस, 44 मौतें

● केरल के अस्पतालों में मॉक ड्रिल होगी, हिमाचल में मास्क जरूरी

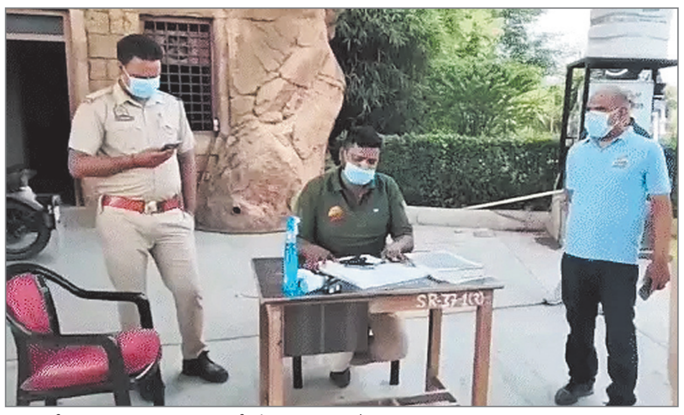

नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ही 300 नए केस मिले। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में एक्टिव केसों की संख्या 4302 पहुंच गई है।

कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से फैल चुका है। हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों ने जान गई है। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 पहुंच गई है। इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हुई है।

महाराष्ट्र में 10 हजार से ज्यादा कोविड टेस्ट

महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि 31 मई को कोविड के 68 नए मामले सामने आए। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई में जनवरी 2025 से अब तक 411 केस मिले हैं। जनवरी से अब तक राज्य में 10,324 कोविड-19 टेस्ट किए गए, जिसमें 681 कोरोना पॉजिटिव निकले थे। इधर, जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को कोविड-19 के दो मामले सामने आए थे। दोनों मरीज केरल के रहने वाले हैं और श्रीनगर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

केरल में सर्दी-जुकाम और बुखार होने पर कोविड टेस्ट अनिवार्य- देश में कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस केरल राज्य में हैं। इसी को देखते हुए राज्य सरकार ने बुधवार को हॉस्पिटल और हेल्थ वर्कर्स के लिए गाइडलाइंस जारी की है। इसके तहत राज्य के सभी हॉस्पिटल्स में मॉक ड्रिल होगी। इस दौरान कोरोना से बचाव के तरीकों को बताया जाएगा। साथ ही सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। हॉस्पिटल में मास्क लगाने के बाद ही एंट्री मिलेगी।

● **हाईकोर्ट ने कहा- कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई-** दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा- कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह अभी भी एक्टिव है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से सैंपल कलेक्शन सेंटर और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि 30 मई 2023 को हुई बैठक के बाद जो भी निर्णय लिए गए, उन्हें लागू करने में अगर कोई खालीपन है तो यह गंभीर मामला है। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि यह मानकर चलना चाहिए कि जरूरी कदम और प्रोटोकॉल तय किए जा चुके होंगे, लेकिन संबंधित अधिकारियों को इसे रिकॉर्ड पर लाना चाहिए।

● **मिजोरम में 7 महीने बाद कोविड का पहला केस मिला-** मिजोरम में 30 मई को 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, उस दौरान राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे। उन्होंने बताया कि मरीजों का इलाज आइजोल के पास फल्कोन में जोरम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चल रहा है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के इंटीग्रेटेड रोग निगरानी

आईपीएल चैंपियन आरसीबी की जीत के जश्न में भगदड़

बारिश में मची अफरा-तफरी, 7 की मौत

बैंगलूर (एजेंसी)। आईपीएल में पहली बार चैंपियन बनी आरसीबी की टीम इस वक्त जश्न में डूबी हुई है। 18 साल में पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल का खिताब जीता। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर फैंस की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। स्टेडियम के गेट नंबर 1 के बाहर खड़े हज़ारों दर्शकों के बीच भगदड़ मच गई। नतीजा कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सिद्धारमैया ने बधाई दी

आरसीबी की इस जीत पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत कई नेताओं ने एक्स पर पोस्ट कर बधाई दी। सीएम सिद्धारमैया ने एक्स पर लिखा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को ऐतिहासिक आईपीएलजीत पर बधाई। आखिरकार सपना सच हो गया। इसके साथ ही उन्होंने कन्नड़ भाषा में वायरल नारा 'Ee Sala Cup Namde' भी लिखा। सिद्धारमैया ने आगे लिखा, शानदार प्रदर्शन से लेकर अडिग भावना तक, इस जीत ने कर्नाटक के गौरव को जगाया है और दुनिया भर के फैंस को रोमांचित किया है।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

रिजिजू बोले- ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को नई दिल्ली में इसकी जानकारी दी। रिजिजू ने बताया कि यह सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा।

किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार नियमों के तहत सत्र में किसी भी विषय पर चर्चा को तैयार हैं। साथ ही बताया कि सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश हो सकता है।

सरकार ने मानसूत्र सत्र का ऐलान विपक्ष के स्पेशल सेशन की मांग के बीच की है। विपक्ष पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और CDS अनिल चौहान के भारतीय जेट गिरने पर सिंगापुर में दिए बयान पर चर्चा की मांग कर रहा है।

इंडिया गठबंधन के 17 दलों ने 3 जून को नई दिल्ली में बैठक की। इसमें स्पेशल सेशन बुलाने के लिए पीएम मोदी को लेटर लिखा। मोदी सरकार 3.0 और ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह संसद का पहला सत्र होगा।

पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार : रिजिजू

रिजिजू ने कहा- सरकार का कहना है कि संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान विपक्ष अगर नियमों के तहत चर्चा की मांग करता है, तो हम पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार हैं। आगामी सत्र के दौरान सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की भी तैयारी में हैं।

वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव पर सभी को एकजुट रहना जरूरी- दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर किरेन रिजिजू ने कहा, जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला है। इसमें किसी भी तरह की राजनीति की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा था कि मैं सभी राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति बना रहा हूं। इसके लिए मैंने प्रमुख नेताओं के साथ चर्चा शुरू कर दी है।

म.प्र. झाबुआ में ट्राला पलटते ही चपटी हुई कार, चार बच्चों समेत दो परिवार में नौ मौतें

आलीराजपुर/झाबुआ (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के झाबुआ में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात सीमेंट से भरा ट्रॉले ने पहले ईको वैन को टक्कर मारी, फिर घसीटते हुए ले गया और वैन पर पलट गया। वैन सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 5 साल के बच्चे समेत दो गंभीर घायल हैं। हादसा भावपुरा गांव के पास कल्याणपुरा में

हुआ। इनमें 4 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया है। मृतकों में मुकेश खपेड़ (40), उनकी पत्नी सावली (35), बेटा विनोद (16), बेटी पायल (12), मढ़ी बमनिया (38), विजय बामनीय (14), कांता बमनिया (14), रागिनी बमनिया (9) और अकली परमार (35) शामिल हैं। हादसे में पायल परमार (19) और 5 वर्षीय आशु बमनिया घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार, वैन में सवार सभी लोग मेघनगर तहसील के शिवगढ़ महुड़ा के रहने वाले थे। थांदला और मेघनगर पुलिस टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। घायलों और मृतकों को थांदला सिविल अस्पताल और मेघनगर अस्पताल ले जाया गया।

सीएम यादव ने उमरिया को दी सौगातें

● उमरिया में 53.85 करोड़ की योजनाओं का भूमिपूजन-लोकार्पण किया ● हर जिले में मिलेगा शव वाहन

● मुख्यमंत्री ने कहा- जो हमसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा

उमरिया (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उमरिया जिले के पाली में बुधवार को राज्य स्तरीय पेसा महासम्मेलन में मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के ऋण वितरण किए। मुख्यमंत्री 14.71 करोड़ रुपए की चार नई परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। इस अवसर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उमरिया जिले के पाली में राज्य स्तरीय पेसा महासम्मेलन में लोक नृतकों के नृत्य भी किए।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को उमरिया के पाली में कही। उन्होंने यहां गोरैया पंचायत में पेसा ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के प्रतिनिधियों के सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री के साथ विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह, सांसद शहडोल हिमाद्री सिंह, पूर्व मंत्री के ज्ञान सिंह भी मौजूद रहे। सीएम ने विकास का संकल्प भी दिलवाया। सीएम ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में शव वाहन दिया जाएगा। इससे किसी को भी शव ले जाने में दिक्कत नहीं होगी। अस्पताल में गरीब मरीज की मौत होने पर शव को उसके घर पहुंचाने का जिम्मा सरकार का है। जो हमसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा। हमारी सेना ने पाकिस्तान की सेना को धूल चटा दी। बदलते दौर में देश बदला। पीएम ने भी कहा है कि दुश्मन अगर गोली चलाएगा, तो उसे गोले से जवाब मिलेगा। इस मौके पर सीएम ने मुख्यमंत्री 14.71 करोड़ रुपए की चार नई परियोजनाओं का भूमिपूजन किया।

भोपाल में होगा अटल बिहारी वाजपेयी जयंती पर कार्यक्रम- सीएम ने कहा कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सालभर मेले लगाए जाएंगे। बड़ा कार्यक्रम भोपाल में अक्टूबर महीने में किया जाएगा। सीएम ने कहा कि कांग्रेसी कहते हैं कि भगवान का नाम नहीं लेंगे, तो क्या रावण या कंस का नाम लेंगे। इनको तो शर्म आती नहीं है।

ये विकास कार्य होंगे- भीमा डोंगरी में 7.81 करोड़ का सोहागपुर-मानपुर मार्ग और नरवार में 5.88 करोड़ का कौड़िया मार्ग शामिल है। चंसुरा और जलधरा में 3.7-3.7 करोड़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

मानपुर और बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्रों में नल जल योजनाएं प्रारंभ की जाएंगी। मानपुर विधानसभा के 13 गांवों में 48 लाख से 86 लाख रुपए की योजनाएं शुरू होंगी।

उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट आज

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर वर्ष 2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का उद्देश्य प्रदेश में आर्थिक विकास को गति देना, औद्योगिक विस्तार को प्रोत्साहित करना और व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसी श्रृंखला में उज्जैन में 5 जून गुरुवार को आयोजित 'स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट' का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा होटल अंजूश्री में आयोजित इस समिट में फायरसाइड चैट सत्र 'वेलनेस के लिए एक नई सोच' विषय पर संवाद भी करेंगे। मुख्यमंत्री समिट में भाग लेने वाले वेलनेस सेक्टर के प्रमुख निवेशकों, नीति-निर्माताओं एवं संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठक भी करेंगे।

दिव्यांगजन अपनी क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं : मुख्यमंत्री

● राज्य सरकार दिव्यांगजन को शासकीय नौकरियों (सीधी भर्ती) में दे रही है अतिरिक्त 2 प्रतिशत आरक्षण ● सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना से कार्य कर रही राज्य सरकार, दिव्यांगजन की परेशानी दूर करने सदैव तत्पर

● महाकवि सूरदास और स्वामी रामभद्राचार्य ने अपनी विशेषज्ञता से इतिहास में स्थान बनाया

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दिव्यांगजन अपनी क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं। यह आत्मविश्वास ही उन्हें विशेष पहचान देता है। मध्यप्रदेश सरकार उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहित करने और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परमात्मा हमारे शरीर में भले ही कोई एक गुण कम करता है, लेकिन बदले में कई गुण बढ़ाकर भी देता है। दिव्यांगजन समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं। उनकी अपने-अपने क्षेत्र में योग्यताएं हैं। राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए शासकीय नौकरियों (सीधी भर्ती) में अतिरिक्त 2 प्रतिशत आरक्षण दिया है। सरकार की भावना सर्वे भवन्तु सुखिनः रही है। दिव्यांगजन के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उनकी परेशानियां दूर करने के लिए सरकार सदैव तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द प्रदान करने से समाज का दृष्टिकोण सकारात्मक रूप से बदला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र तथा अन्य हितलाभ वितरण कार्यक्रम को पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के सभागार में संबोधित कर रहे थे।

भाजपा बोली-कांग्रेस के सरेंडर कारनामे कैलेंडर में भरे पड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने बुधवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद भी राहुल गांधी में परिपक्वता और गंभीरता नहीं आई है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सरेंडर बताना उनकी खतरनाक मानसिकता दिखाता है।

राहुल गांधी ने ऐसा बयान दिया है जो पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भी नहीं बोला, किसी आतंकी संगठन ने नहीं बोला, मसूर अजहर और हाफिज सईद ने भी नहीं बोला। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा भारत सरकार या भाजपा के किसी प्रवक्ता ने नहीं देश की सेना ने की है। राहुल ने सरेंडर शब्द इस्तेमाल करके सेना का अपमान किया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा था कि ट्रम्प का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए।

सिक्किम के लाचेन में 83 टूरिस्ट फंसे, 6 लापता

नई दिल्ली/भोपाल/इम्फाल (एजेंसी)। नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में पिछले दो हफ्तों से भारी बारिश लगातार जारी है। बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण लाखों लोग प्रभावित हैं। सिक्किम के लाचेन में मंगलवार को भारतीय सेना ने विदेशी नागरिकों सहित 30 टूरिस्ट को एयरलिफ्ट करके रेस्क्यू किया। 83 लोग अब भी फंसे हैं। 6 लोग लापता है, जिनकी तलाश की जा रही है।

● मिजोरम में 11 दिन में 626 लैंडस्लाइड, 5 की मौत; एमपी-बिहार में आंधी चलेगी

मिजोरम में सरकार ने टूरिस्ट्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। लोगों से 13 जून तक राज्य में आने से बचने की अपील की गई है। राज्य में 24 मई से तेज बारिश जारी है। तब से 3 जून तक, 11 दिनों में मिजोरम में 626 लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। असम में मंगलवार को बाढ़ से 6 और लोगों की मौत हो गई। यहां लैंडस्लाइड-बाढ़ में मरने वालों आंकड़ा 17 पहुंच गया है।

चीन ने ताइवान के पास सैन्य गतिविधियां बढ़ाईं, लड़ाकू विमान और युद्धपोत भेजे

बीजिंगख, एजेंसी। चीन ने एक बार फिर ताइवान के चारों ओर अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। बुधवार सुबह तक ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 2 लड़ाकू विमान और 12 नौसैनिक जहाज ताइवान के पास देखे गए। दोनों विमान ताइवान की हवाई सीमा में घुसे और उत्तरी व पूर्वी इलाकों में मीडियन लाइन को पार किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने पूरी स्थिति पर नजर रखी और जवाब भी दिया। एक दिन पहले यानी मंगलवार को भी 3 चीनी विमान, 10 नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आस-पास देखे गए थे। उनमें से एक विमान ताइवान की हवाई सीमा में घुसा था। पिछले महीने चीन ने दो एयरक्राफ्ट कैरियर और कई युद्धपोत ताइवान के उत्तर और दक्षिण की ओर भेजे थे। 1 से 27 मई के बीच करीब 70 चीनी जहाजों की गतिविधियां येलो सी से साउथ चाइना सी तक देखी गईं।

संरा सुरक्षा परिषद में गाजा में संघर्षविराम के प्रस्ताव पर मतदान होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को उस प्रस्ताव पर मतदान होना है जिसमें गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई हैजिसका सभी पक्षों द्वारा सम्मान किया जाए। अमेरिका के इस प्रस्ताव पर वीटो करने की करने की संभावना है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा तैयार प्रस्ताव में सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के बाद दक्षिणी इजराइल से हमास और अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की मांग दोहराई गई है। गाजा में मानवीय स्थिति को विनाशकारी बताते हुए प्रस्ताव में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश पर लगे सभी प्रतिबंधों को तत्काल और बिना शर्त हटाने तथा संयुक्त राष्ट्र और मानवीय साझेदारों के साथ राहत सामग्री को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से वितरित करने की भी मांग की गई है। इस प्रस्ताव पर बुधवार दोपहर को मतदान होना है और यह ऐसे वक्त लाया गया है जब इजराइल और अमेरिका समर्थित सहायता वितरण स्थल बनाए जाने के बाद करीब-करीब रोज गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न सदस्य देशों के राजयनिकों ने मंगलवार को नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका इस प्रस्ताव पर वीटो कर देगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने कहा कि इस समय मसौदा प्रस्ताव पर वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता है। इजराइल के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने मसौदे पर टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

उ. कोरिया से बातचीत जारी रखेंगे, अमेरिका-जापान साझेदारी मजबूत करेंगे: द कोरियाई राष्ट्रपति

सियोलख, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे-म्यांग ने बुधवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया के साथ बातचीत जारी रखने की कोशिश करेंगे तथा अमेरिका और जापान के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करेंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले संबोधन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दक्षिण कोरिया-अमेरिका सैन्य गठबंधन के आधार पर एक मजबूत प्रतिरोध के साथ उत्तर कोरिया के संभावित आक्रमणों से निपटेगी। लेकिन वह उत्तर कोरिया के साथ बातचीत के लिए भी दरवाजा खुला रखेंगे और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति स्थापित करेंगे।

कनाडा के टोरंटो शहर में भीषण गोलीबारी, एक शख्स की मौत, पांच लोग गंभीर रूप से घायल

टोरंटोख, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में सामूहिक गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, गोलीबारी नॉर्थ यॉर्क के लॉरेंस हाइट्स इलाके में हुई। टोरंटो पुलिस ने पुष्टि की है कि कम से कम पांच लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ और स्थानीय पार्षद डिप्टी मेयर माइक कोल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, लॉरेंस हाइट्स इलाके में आज शाम हुई गोलीबारी की खबर से व्यथित हूं। मेरा कार्यालय टोरंटो पुलिस के संपर्क में है, जो अभी घटनास्थल पर हैं और पुलिस हमले की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कनाडा के टोरंटो में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

बकरीद पर बड़ा फैसला: मुस्लिम देश मोरक्को में जानवरों की कुर्बानी पर लगा बैन

मोरक्को , एजेंसी।
दुनियाभर में बकरीद (ईद अल-अजहा) का त्योहार 7 जून को धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोग जानवरों की कुर्बानी देते हैं। लेकिन, इस बार एक मुस्लिम देश ने ऐसा अभूतपूर्व फरमान जारी किया है, जो हर कुर्बानी देने वाले के लिए एक मिसाल बन सकता है। अफ्रीकी देश मोरक्को ने इस साल ईद अल-अजहा पर जानवरों की कुर्बानी देने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

मोरक्को के राजा मोहम्मद वीआई ने देश में पड़ रहे गंभीर सूखे की वजह से यह बड़ा फैसला लिया है। वहाँ की सरकार ने सख्त आदेश जारी किए हैं कि इस बार कोई भी नागरिक बकरीद पर बकरे या किसी अन्य जानवर की कुर्बानी न दे। यह कदम सूखे के कारण उत्पन्न हुई चारा और पानी की कमी को देखते हुए उठाया गया है, ताकि पशुधन को बचाया जा सके।

मोरक्को एक मुस्लिम बहुल देश है, जहाँ 99 प्रतिशत आबादी इस्लामिक है और बकरीद के त्योहार को बहुत महत्व दिया जाता है। ऐसे में, सरकार के इस फैसले से वहाँ के लोगों में गुस्से का माहौल देखा जा रहा है। इसको लेकर वहाँ पर एक धार्मिक बहस भी छिड़ गई है कि क्या राजा या सरकार को धार्मिक अनुष्ठान रोकने का अधिकार है।

वहीं, भारत में भी कुछ नेताओं ने बकरीद पर पशु बलि की प्रथा पर सरकार से बैन लगाने की मांग की है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे और गाजियाबाद से बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भी लोगों से

वर्चुअल बकरीद मनाने का आग्रह किया है। धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पशुओं की बलि पर प्रतिबंध लगाने वाला मोरक्को दुनिया का एकमात्र देश नहीं है। ऐसे कई और देश हैं जहाँ यह प्रथा पूरी तरह से प्रतिबंधित या कुछ हद तक नियंत्रित है-

नेपाल: नेपाल में धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पशु बलि पर पूरी तरह से बैन है। विशेष रूप से, गढ़ीमाई त्योहार में लाखों पशुओं की बलि दी जाती थी, जिस पर साल 2015 में प्रतिबंध लगा दिया गया था। यह प्रतिबंध पशु कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।

चीन: चीन में ज्यादातर लोग बौद्ध धर्म का पालन करते हैं, जो अहिंसा पर जोर देता है। ऐसे में, वे किसी भी तरह की हत्या, अनुष्ठान, बलिदान और पूजा पर प्रतिबंध लगाते हैं। इसलिए, वहाँ पर भी पशु बलि देना किसी भी तरह से पूरी तरह से बैन है।

ताइवान: ताइवान में भी पशु बलि पर प्रतिबंध है। काऊशुंग में या फिर ताओवादी मंदिरों में पशु बलि पर बैन लगा हुआ है। यह वैश्विक रुझान दिखाता है कि पर्यावरण संरक्षण और पशु कल्याण के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण दुनिया भर में धार्मिक अनुष्ठानों में पशु बलि को लेकर नई बहसें और प्रतिबंध सामने आ रहे हैं।

कश्मीर मुद्दे पर फिर रोया पाकिस्तान, बिलावल भुट्टो ने कहा- यूएन से भी नहीं मिली कोई मदद

इस्लामाबाद, एजेंसी।
डेलीगेशन की अगुवाई कर रहे पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने माना है कि उनके देश ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य जगहों पर कश्मीर मुद्दे पर अपने अभियान में कोई प्रगति नहीं की है। बिलावल भुट्टो ने आगे कहा, जहां तक ??संयुक्त राष्ट्र और सामान्य तौर पर कश्मीर मुद्दे का सवाल है, हमारे सामने आने वाली बाधाएं अभी भी मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और राजनयिकों के साथ अपनी बैठकों में उन्हें आतंकवाद और जल जैसे मुद्दों पर तो मदद मिली, लेकिन यह कश्मीर तक नहीं पहुंची। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल ने एक फलस्तीनी पत्रकार द्वारा कश्मीर और गाजा को समान बताने के प्रयास को खारिज कर दिया, जिसका कुछ पाकिस्तानियों ने भी इस्तेमाल किया है।

बिलावल भुट्टो ने आगे कहा, मैं शुरू से ही इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि फलस्तीनियों की दुर्दशा और पाकिस्तान, कश्मीर की दुर्दशा के बीच मैं कोई सार्थक तुलना नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, हम गाजा में जो देख रहे हैं, फलस्तीन में जो देख रहे हैं, वह सभी रूपों, स्वरूपों और शर्तों में अत्यंत अपमानजनक, अमानवीय और निंदनीय है।

लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि भारत इजरायल से प्रेरणा ले रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तरह बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे उनके आसपास भी नहीं हैं। बिलावल के प्रतिनिधिमंडल को इस्लामाबाद ने उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के आधार पर तैयार किया है। यह आधार भारत के आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की अपनी नीति और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों की मौत के बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बारे में तय हुआ है।

यूक्रेन को एक लाख ड्रोन देगा ब्रिटेन, रूस के साथ लड़ाई होगी और भी घातक

लंदन , एजेंसी। पिछले कई सालों से जारी रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। रोज कुछ न कुछ ऐसा होता है जिससे युद्ध का संकट और भी गहरा जाता है। रॉयटर के मुताबिक, ब्रिटेन ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के अंत तक अप्रैल 2026 तक यूक्रेन को 100,000 ड्रोन देने का वादा किया है और काफी बड़ी संख्या है। इससे पता चलता है कि मानव रहित हवाई वाहनों ने युद्ध लड़ने के तरीके को बदल दिया है। ब्रिटेन सरकार ने सोमवार को एक स्वतंत्र रूप से निर्मित रणनीतिक रक्षा समीक्षा का समर्थन किया, जिसमें संभावित रूसी आक्रमण सहित उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए अधिक घातक, तकनीक-संचालित सेना की मांग की गई है। यूक्रेन के कट्टर पश्चिमी समर्थकों में से एक ब्रिटेन, रूसी आक्रमण के खिलाफ कीव की तीन साल से अधिक की लड़ाई जारी रहने के दौरान लगातार मदद करता रहा है। वहीं, ड्रोन ने युद्ध के मैदान को पूरी तरह से बदल दिया है। सरकार ने कहा कि 350 मिलियन पाउंड (473 मिलियन डॉलर) का ड्रोन पैकेज यूक्रेन के लिए 4.5 बिलियन पाउंड की व्यापक सैन्य सहायता पहल का हिस्सा है। रक्षा सचिव जॉन हीली जर्मनी के साथ सह-मेजबानी में ब्रुसेल्स में 50 देशों के यूक्रेन रक्षा संपर्क समूह की बैठक में यह घोषणा करेंगे। बैठक से पहले एक बयान में हीली ने कहा कि यूके इस साल सैकड़ों हजारों और ड्रोन देकर यूक्रेन के लिए अपना समर्थन बढ़ा रहा है और महत्वपूर्ण तोपखाने गोला-बारूद की डिलीवरी में एक प्रमुख मील का पत्थर पूरा कर रहा है।

कैदी के प्यार में फंसी महिला जेलर, ड्यूटी के दौरान बनाए शारीरिक संबंध

फोन पर घंटो करती अश्लील बातें फिर मां को भेजे...

लंदन , एजेंसी।
ब्रिटेन के वेस्ट यॉर्कशायर की एक महिला जेल पुलिसकर्मी ने अपने पद की सीमाएं लांघते हुए एक कैदी के साथ न केवल फोन पर अश्लील बातचीत की, बल्कि रिश्ता कायम रखने के लिए उसकी मां से भी लगातार संपर्क बनाए रखा। 26 वर्षीय मेगन गिब्सन ने स्वीकार किया है कि उन्होंने ड्यूटी के दौरान कैदी को प्रतिबंधित क्षेत्रों में पहुंचने दिया और रिहाई के बाद उससे मिलने भी गईं। अब उन पर सार्वजनिक पद के दुरुपयोग का मुकदमा चल रहा है और उन्हें जेल हो सकती है। 26 वर्षीय गिब्सन ने न केवल कैदी को उसकी पुनर्वास आवासीय इकाई में जाकर मुलाकात की, बल्कि उसे जेल की प्रतिबंधित जगहों तक भी पहुंचने की अनुमति दी और वहां रहते हुए उसके साथ यौन संबंध बनाए। इतना ही नहीं, जब उनका रिश्ता टूटने की कगार पर था, तब भी गिब्सन ने उस कैदी की मां को 900 से अधिक संदेश भेजे, ताकि रिश्ता जारी रह सके।

अब गिब्सन ने सार्वजनिक सेवा में कदाचार का दोष स्वीकार कर लिया है और उन्हें सजा मिलने की संभावना है। उन्होंने साथ ही गांजा रखने की बात भी स्वीकार की है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें अगस्त में सजा सुनाई जाएगी। लीड्स क्राउन कोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और गिब्सन को जेल हो सकती है। फिलहाल उन्हें बिना शर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया है, लेकिन वे निलंबित हैं और वीलस्टन जेल में अब कार्यरत नहीं हैं। चार्जशीट के अनुसार, गिब्सन ने ॥रू प्रिजन वीलस्टन में काम करते हुए एक कैदी के साथ फोन के जरिए यौन संवाद किया, जो एक अनुचित संबंध का हिस्सा था। गिब्सन के वकील ने कोर्ट में बताया कि वह अपने पिछले रिश्ते से उत्पन्न पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से जूझ रही थीं और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई परीक्षणों से गुजर रही थीं। गिब्सन यूनाइटेड किंगडम में हाल के वर्षों में ऐसे मामलों में शामिल होने वाली कई महिला जेल अधिकारियों में से एक हैं, जिन्हें कैदियों के साथ अवैध रिश्तों के चलते बर्खास्त किया गया है। मई में, 23 वर्षीय इसाबेल डेल पर दो कैदियों के साथ यौन संबंध बनाने और जेल में ड्रग्स पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप लगा था। यह मामला साउथईस्ट लंदन के एक हाई-सिक्योरिटी जेल में सामने आया था। एक अन्य महिला जेल अधिकारी टोनी कोल ने एक 28 वर्षीय कैदी के साथ अनुचित रिश्ते की बात कबूली थी, जिन्हें नॉर्थहैम्पटनशायर की एचएमपी फाइव वेल्स जेल में एक साल की सजा सुनाई गई। न्यू यॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में यूके की कम से कम 29 महिला जेल अधिकारियों को कैदियों के साथ अनुचित संबंधों के चलते बर्खास्त किया जा चुका है।

कारखाने बंद, मजदूरों को वेतन नहीं... चीन में मचने लगा हाहाकार, ट्रंप के टैरिफ ने कर दी करारी चोट

बीजिंगख, एजेंसी।
अमेरिका और चीन के बीच जारी ट्रेड वॉर भले ही थमता हुआ दिख रहा हो, लेकिन इसके असर से चीन की अर्थव्यवस्था अब भी उबर नहीं सकी है। मई 2025 में अमेरिकी टैरिफ का चीन की विनिर्माण गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई गिरकर 48.3 पर पहुंच गया है, जो सितंबर 2022 के बाद से सबसे निचला स्तर है। यह संकेत है कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इस समय गहरे दबाव में है।

पीएमआई एक इंडिकेटर होता है जिससे किसी देश की विनिर्माण गतिविधियों की स्थिति का आंकलन किया जाता है। इसका स्तर अगर 50 से ऊपर होता है तो यह विस्तार दर्शाता है और 50 से नीचे जाने का मतलब होता है कि विनिर्माण गतिविधियों में संकुचन हो रहा है। मई में चीन का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई गिरकर 48.3 पर आ गया, जबकि अप्रैल में यह 50.4 था। यह लगातार दूसरा महीना है जब चीन के विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई है। यह आंकड़ा रॉयटर्स के 50.6 के अनुमान से भी काफी नीचे रहा। यह इशारा करता है कि चीन की अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने की कोशिशें अभी कामयाब नहीं हो रही हैं। हाल ही में वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका की तरफ से चीन के उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ अभी भी भारी दबाव बना रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भले ही स्विट्जरलैंड में हुई एक अहम बैठक

के बाद 145प्रतिशत तक पहुंचे टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया हो, लेकिन इसका लाभ फिलहाल चीनी अर्थव्यवस्था को मिलता नहीं दिख रहा।

पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स के अनुसार, इन रियायतों के बाद भी चीन से अमेरिकी आयात पर औसतन 51.1प्रतिशत टैरिफ अब भी लागू है, जबकि चीन द्वारा अमेरिकी आयात पर लगाई गई ड्यूटी औसतन 32.6प्रतिशत है। इसके बावजूद चीन की फैक्ट्रियां विदेशी मांग में गिरावट के चलते दबाव में हैं।

कैक्सिन और एसएंडपी ग्लोबल द्वारा किए गए सर्वे में बताया गया कि चीन की फैक्ट्रियों को नए निर्यात ऑर्डर मिलने में भारी गिरावट आई है। जुलाई 2023 के बाद यह अब तक का सबसे निचला स्तर है। सर्वे में यह भी सामने आया कि घरेलू मांग भी कमजोर हुई है और इसके चलते फैक्ट्रियों के पास उत्पादों का स्टॉक जमा होता जा रहा है। मांग की कमी से उत्पादन घट रहा है और इससे रोजगार में भी गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 के बाद मई में रोजगार में सबसे तेज गिरावट आई है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार लंबे समय से आर्थिक स्थिरता और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं और राहत पैकेज के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को पुनर्जीवित करने की कोशिश की, लेकिन फिलहाल नतीजे सकारात्मक नहीं दिख रहे हैं।

चीन की सरकार उम्मीद कर रही थी कि अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में कुछ नरमी से स्थिति में सुधार होगा, लेकिन मई 2025 का डेटा दिखाता है कि टैरिफ का प्रभाव धीमा जरूर पड़ा है लेकिन खत्म नहीं हुआ है।

चीन दुनिया का सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र है और वहां की मंदी का असर वैश्विक सप्लाई चेन, कच्चे माल की कीमतों, और उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ सकता है। अमेरिकी कंपनियां भी चीन में उत्पादन घटने के चलते प्रोडक्शन लागत और डिलिवरी टाइम को लेकर परेशान हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि चीन में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में गिरावट जारी रही तो इसका असर वैश्विक व्यापार और एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, टेक्नोलॉजी सेक्टर पर दिख सकता है।

अमेरिका-चीन के बीच स्थायी समझौता- अगर दोनों देशों के बीच कोई दीर्घकालिक व्यापारिक समझौता होता है तो टैरिफ के प्रभाव को कम किया जा सकता है। घरेलू खपत को बढ़ावा देना- चीन को अपनी घरेलू खपत बढ़ाने और उपभोक्ता मांग को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। निर्यात बाजारों में विविधता- चीन को अपने निर्यात बाजारों को अमेरिका से इतर विविध बनाना होगा ताकि ट्रेड वॉर का असर कम हो सके। रोजगार और वेतन पर ध्यान- अगर रोजगार में गिरावट जारी रही तो उपभोक्ता खर्च और भी नीचे जाएगा, जो आर्थिक विकास को और धीमा करेगा।

इमरान बोले- आसिम मुनीर ने मेरी बीवी को जेल भेजा, मैंने आईएसआई चीफ से हटाया तो बदला लिया

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खान ने कहा कि जनरल मुनीर ने बदला लेने के लिए मेरी पत्नी बुशरा बीवी को जेल में बंद किया था। इमरान ने सोमवार को अपने ङ्ग पोस्ट में कहा- जब मैंने प्रधानमंत्री रहते हुए आसिम मुनीर को ढ्ढस्ढ्ढ चीफ के पद से हटाया, तो उन्होंने मेरी पत्नी बुशरा बीबी से संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन बुशरा ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह ऐसे मामलों में नहीं पड़ती हैं। इसके बाद उन्हें एक के बाद एक झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। वह एक हाउस वाइफ हैं, उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पिछले चार हफ्तों से उनसे मिलने की इजाजत भी नहीं दी गई।

9 मई 2023 की घटना लंदन प्लान का हिस्सा थी

खान ने बताया कि जेल नियमों के मुताबिक, उन्हें 1 जून को बुशरा से मिलना था, लेकिन कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए यह मुलाकात रद्द कर दी गई। खान पिछले 2 साल से रावलपिंडी की अडियाला जेल में कई मामलों में बंद हैं।

खान ने 9 मई 2023 की घटनाओं को लंदन प्लान का हिस्सा बताया, जिसका मकसद उनकी पार्टी पीटीआइ को खत्म करना था। उन्होंने ने कहा- इसके तहत मुझे और मेरे नेताओं को गैरकानूनी तरीके से जेल में डाला गया। शरीफ व जरदारी जैसे भ्रष्ट लोगों को देश पर थोपा गया।

खान बोले- जज अपनी नौकरी बचाने में लगे हैं

खान ने पाकिस्तान की न्यायपालिका को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि 9 मई 2023 और 26 नवंबर 2024 को प्रदर्शनकारियों पर हुए हमलों की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग बनाया जाए।

उन्होंने पाकिस्तान की चीफ जस्टिस काजी फाइज ईसा की तुलना जस्टिस मुनीर से की। जस्टिस मुनीर अपने पक्षपाती फैसलों के लिए बदनाम थे। खान ने कहा- कोर्ट सबूतों के आधार पर फैसला देने की बजाय अपनी नौकरी बचाने में लगी है। पिछले हफ्ते, एक पाकिस्तानी अदालत ने 9 मई 2023 को इस्लामाबाद में हिंसक प्रदर्शन के लिए पीटीआइ के 11 समर्थकों, जिसमें एक सांसद भी शामिल है, को सजा सुनाई। उस दिन पीटीआइ

कार्यकर्ताओं ने इमरान की गिरफ्तारी के विरोध में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया था।

इमरान से लड़ाई के बाद मुनीर की कुर्सी गई थी

आसिम मुनीर इमरान खान की सरकार के वक्त पाकिस्तान की सीक्रेट एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के हेड थे। 2018 तक मुनीर का आर्मी करियर शानदार चल रहा था। मार्च में उन्हें पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'हिलाल-ए-इम्तियाज' दिया गया था।

25 अक्टूबर 2018 को उन्हें ढ्ढस्ढ्ढ का डीजी बनाया गया, लेकिन 8 ही महीने बाद जून 2019 में उन्हें हटाकर उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को ढ्ढस्ढ्ढ का नया डीजी बना दिया गया और मुनीर को गुजरांवाला में ङ्घङ्घङ्घ कोर में बतौर कमांडर तैनात कर दिया गया।

पहली बार कोई डीजी इतने कम समय में पद से हटाया गया था, इसकी वजह थी मुनीर का इमरान खान से झगड़ा। दरअसल, पाक आर्मी के जनरल कमर जावेद बाजवा, इमरान के करीबी थे। पाकिस्तान में आर्मी और ढ्ढस्ढ्ढ के ऑफिसर्स का भ्रष्टाचार का पुराना इतिहास है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि मुनीर ने इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के करप्शन के एक मामले को उजागर कर दिया था। इसलिए इमरान खान के कहने पर बाजवा ने मुनीर को ढ्ढस्ढ्ढ से बाहर का रास्ता दिखाया था।

हालांकि बाद में इमरान खान ने इसे नकारते हुए कहा था, यह पूरी तरह झूठ है। न तो जनरल आसिम ने मुझे मेरी बीवी के करप्शन का कोई सबूत दिया और न ही इस वजह से मैंने उन्हें इस्तीफे के लिए मजबूर किया।'

इमरान पीएम पद से हटाए गए, मुनीर आर्मी चीफ बने

कोर कमांडर रहने के बाद जनवरी 2021 से नवंबर 2022 तक मुनीर क्वार्टरमास्टर जनरल रहे। इस ओहदे का ऑफिसर सेना के लिए रसद, साजो-सामान और बाकी तैयारियों का काम देखता है। ढ्ढस्ढ्ढ चीफ से यहां तक आना मुनीर के लिए डिमोशन था।

10 अप्रैल 2022 को अविश्वास प्रस्ताव लाकर इमरान खान को पीएम पद से हटा दिया गया। इसके पहले ही वो पीएम हाउस छोड़ चुके थे। अगले दिन नवाज के छोटे भाई शहबाज शरीफ पीएम बन गए। मुनीर शहबाज के करीबी हैं।

संक्षिप्त समाचार

नशामुक्त भारत अभियान के तहत छात्रावासों में नशामुक्ति समितियां गठित

सीहोर (निप्र)। नशामुक्त भारत अभियान के तहत जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिले में संचालित अनुसूचित जाति एवं जनजातीय छात्रावासों में छात्रावास अधीक्षक की अध्यक्षता में नशामुक्ति समितियां गठित की गई हैं। इसके साथ ही इस अभियान के तहत विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर इन छात्रावासों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया और संस्था के कर्मचारियों और विद्यार्थियों नशे से बचने की शपथ भी दिलाई गई।

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के संबंध में बैठक सम्पन्न

हरदा (निप्र)। समाज के युवाओं, बच्चों व आमजन को तम्बाकू एवं मादक द्रव्य उत्पादों से होने वाली गंभीर बीमारियों व दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में 26 जून तक नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिये जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इन जागरूकता कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होने उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को निर्देशित किया कि जागरूकता कार्यक्रम के लिये व्यवस्थित कार्य योजना बनाई और उसी के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किये जायें। बैठक में उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री कमलेश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री जैन ने उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को निर्देशित किया कि नागरिकों को नशा मुक्ति के लिये जागरूक करने हेतु शहर के किसी एक चौराहे का सौन्दर्यीकरण किया जाए। उन्होने निर्देशित किया कि गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से भी नागरिकों को नशा मुक्ति के लिये प्रेरित किया जाए। बैठक के अंत में कलेक्टर श्री जैन ने सभी उपस्थित अधिकारियों को नशा मुक्ति के लिये शपथ भी दिलाई।

सरकारी स्कूलों में सीसीएलई गतिविधियों को दिया जायेगा बढ़ावा

सीहोर (निप्र)। सरकारी स्कूलों में कन्टीन्यूअस एण्ड कॉम्प्रेंसिव ईवेल्युएशन (सीसीएलई) गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के लिये 21वीं शताब्दी के कौशल अर्जित करने पर जोर दिया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में सीसीएलई कार्यक्रम अर्थात सतत् एवं व्यापक अधिगम एवं मूल्यांकन कार्यक्रम के रूप में संचालित कर रहा है। सीसीएलई गतिविधियों के अंतर्गत प्रति सप्ताह होने वाले लेखन कौशल, वक्तव्य कौशल , प्रश्नोत्तरी कौशल, दृश्य और प्रदर्शन कला पर केन्द्रित गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद करती हैं। नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्म अवकाश के बाद बाल सभा प्रत्येक शनिवार को पूर्वानुसार प्रथम 3 कालखण्ड में संचालित होगी। वर्ष 2024-25 में सीसीएलई गतिविधियों की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये विमर्श पोर्टल पर मॉड्यूल निर्माण किया गया था।

अस्पताल में गुटखा खाकर थूकने वाले 5 लोगों पर लगाया जुर्माना

हरदा (निप्र)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय हरदा में शनिवार को नोडल अधिकारी डॉ. पीयूष दोगने ने सभी स्टाफ को तंबाकू का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई। इस दौरान हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से सभी को नशा नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया तथा नाक, कान, गला विशेषज्ञ डॉ. राजेश सतीजा ने तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में सभी को बताया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी. सिंह, सभी चिकित्सक एवं अस्पताल कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान जिला चिकित्सालय परिसर में गुटखा खाकर थूकने वाले 5 लोगों पर 250 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक हुई

शासन की मंशा अनुरूप पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिकारियों को विशेष पहल करने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान योजना तहत 70 प्लस आयु के वयोवृद्ध नागरिकों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के संपादित कार्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 70 प्लस आयु का कोई भी नागरिक इस योजना से वंचित ना रहे इसके लिए संबंधित विभाग विशेष पहल करें उन्होंने शासकीय अधिकारी, कर्मचारियों को भी निर्देशित किया कि अगर उनके घर में कोई 70 प्लस आयु का परिजन है तो उनके भी आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं इस संबंध में उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोई भी पात्र हितग्राही इस योजना का लाभ लेने से वंचित न रहे इस योजना तहत वर्ष में पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जाता है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने आयुष्मान योजना तहत क्रियान्वित कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जिले में संचालित अस्पतालों में आयुष्मान योजना तहत प्राप्त होने वाले लाभ व बीमारियों के इलाज की समुचित जानकारी अस्पतालों के प्रवेश द्वार के बोर्डो पर अंकित की जाए इस हेतु संबंधित अस्पतालों को दिशा-निर्देश दिए जाएं और उक्त कार्यों की फोटो युक्त जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि आयुष्मान योजना तहत लाभांवित होने वाले हितग्राही सुगमता से योजना तहत प्राप्त होने वाली जानकारी प्राप्त कर सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले में संचालित विभिन्न

योजनाओं की वर्षगांठ पर कार्यक्रमों का आयोजन करने के निर्देश भी दिए हैं, उन्होंने कहा है कि इस दिन उल्लिखित योजनाओं की प्रगति का उल्लेख कर प्रचार-प्रसार का कार्य करें। साथ ही उन्होंने आगामी टीएल बैठक में विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन व प्रगति की जानकारी साथ लेकर आने के निर्देश भी विभागों के अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले में संचालित आईटीआई में प्रवेश की संख्या कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी आईटीआई प्राचार्यों को आईटीआई में प्रवेश संख्या बढ़ाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि दसवी कक्षा पास कर चुके छात्र-छात्राओं को आईटीआई में प्रवेश दिलाने के लिए प्रचार-प्रसार का कार्य करें स्कूलों व ग्रामीण क्षेत्रों में सेमिनार आयोजित करें डोर टू डोर संपर्क कर छात्र-छात्राओं को आईटीआई में प्रवेश दिलाने के लिए प्रेरित करें।

अन्य संबंधित विभागों को भी इस और विशेष रुचि प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यानगत रखते हुए जिले में किए गए प्रबंधों को लेकर कहा है कि पिछले वर्ष जिन-जिन ग्रामों में बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हुई थी या जो भी गांव बाढ़ पीड़ित हुए थे उन पर विशेष फोकस करें। उन्होंने कहा है कि बाढ़ जैसी स्थिति जिले में निर्मित ना हो इसका विशेष ध्यान रखें जिन भी क्षेत्रों में इस प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो पहले से ही अलर्ट रहें। बाढ़ में किसी भी प्रकार की जन-धन की हानि नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज लंबित आवेदनो की समीक्षा के दौरान कहा कि जिन विभागों के संख्यात्मक रूप से आवेदन अधिक लंबित हैं उन विभागों को निराकरण के लिए विशेष पहल करनी होगी साथ ही उन्होंने खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग की कार्यवाही के संबंध में भी दिशा निर्देश दिए गए। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर विशेष बल - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आगामी दिनों में होने वाली पशुपालन विभाग की कार्यशाला को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु प्रेरित करना है। इस हेतु पशुपालकों से संवाद स्थापित कर उन्हें दुग्ध उत्पादन के लिए शासन की योजनाओं का लाभ लेने सहित अन्य नवाचार करने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा है कि शासन का मूल उद्देश्य और मंशा है कि किसानों की आय में वृद्धि हो, इसी को ध्यानगत रखते हुए दुग्ध उत्पादन के लिए पशुपालकों को प्रेरित करने की आवश्यकता है किसानों की आय में वृद्धि होगी तभी जिले की समृद्धि होगी। योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में कुपोषण संजीवनी अभियान तहत बच्चों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप गोद लेना, भारत सरकार की चिन्हित योजनाओं में संतृप्ति हेतु हर घर जल योजना, आवास योजना ग्रामीण, मिशन इंद्रधनुष, पीएम जन आरोग्य योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, सक्षम आंगनवाड़ी पोषण 2.0, किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम सूर्य घर योजना तहत संपादित किये जा रहे कार्यों की भी गहन समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के अलावा संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर तथा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें वहीं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया गया।

समग्र ईकेवाईसी का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को अपनी-अपनी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समग्र ई-केवाईसी की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर जनपद सीईओ एवं सीएमओ को सख्त हिदायत दी। उन्होंने पंचायत एवं वार्ड स्तर पर सचिवों व प्रभारियों के लिए दैनिक लक्ष्य तय कर ई-केवाईसी पूर्ण कराने के निर्देश दिए। ई-केवाईसी में प्रगति नहीं होने पर उन्होंने सभी जनपद सीईओ और सीएमओ का एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सभी कर्मचारियों की समग्र से आधार केवाईसी कराएं। नहीं होने की स्थिति में संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी का जून माह का वेतन आहरित नहीं किया जाएगा।

जनजातीय उत्कर्ष अभियान और पशुपालन पर जोर : धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत चयनित 554 ग्रामों में खेल मैदान के लिए स्थान चिन्हित कर शीघ्र प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। साथ ही पशुपालन विभाग को कृत्रिम गर्भाधान एवं केसीसी लक्ष्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने पर बल दिया।

अनुग्रह सहायता और हिट एंड रन मामलों की समीक्षा : श्रम विभाग अंतर्गत लंबित अनुग्रह सहायता मामलों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे और सहायता राशि मृतकों के परिजनों के खातों में शीघ्र भेजी जाए। साथ ही हिट एंड रन के मामलों के भी शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

पीएम आवास और टीकाकरण कार्यों में तेजी के निर्देश : पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को प्रगतिरत पीएम आवास के कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा स्वास्थ्य विभाग को टीकाकरण के लक्ष्यों की पूर्ति में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि पूजन किए गए सभी विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण कराएं।

ई-ऑफिस प्रणाली का होगा विस्तार : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी जिला अधिकारियों को अपने कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने को कहा। जनपद एवं तहसील स्तर पर भी इसे शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि तहसीलदार और एसडीएम कार्यालय सहित सभी विभागों के मैदानी कार्यालय के कर्मचारियों की भी शीघ्र ई प्रोफाइल बनाई जाए।

किसान महासम्मेलन की तैयारी : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि जिले में 27 जून को वृहद स्तर पर किसान महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने उपसंचालक कृषि को इस आयोजन की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का इस सप्ताह प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्षा से पूर्व बाढ़ नियंत्रण के सभी उपाय सुनिश्चित किये जायें

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बाढ़ एवं आपदा प्रबन्धन से संबंधित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि बाढ़ की स्थिति में विभागों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही से संबंधित कार्य योजना तैयार कर लें। उन्होने सभी एसडीएम, तहसीलदारों, जनपद पंचायतों के सीईओ व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को नालों व पुल पुलियों की सफाई कराने के निर्देश दिये ताकि अतिवर्षा की स्थिति में नालों व पुल पुलियों में वर्षा का पानी ओवरफ्लो होने से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न न हो।

कलेक्टर श्री जैन ने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि वे अपने-अपने क्षेत्र में आपदा प्रबन्धन की खण्ड स्तरीय समिति की बैठक लेकर वर्षा से पूर्व बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये आवश्यक तैयारियों की समीक्षा कर लें। उन्होने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि बाढ़ राहत के लिये आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता की भी एसडीएम समीक्षा करें। यदि कोई कमी हो तो उसकी डिमाण्ड जिला कार्यालय को भिजवाएं ताकि पूर्ति की जा सके। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा व श्री संजीव नागू सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

मलेरिया जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर मलेरिया निरोधक माह का किया शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार ने सोमवार को मलेरिया निरोधक माह अंतर्गत मलेरिया जागरूकता रथ को कार्यालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले में विभिन्न विकासखंडों के चयनित ग्रामों में भ्रमण करेगा। 1 जून से प्रारंभ हुये मलेरिया निरोधक माह के दौरान यह जागरूकता रथ ग्रामों में जाकर लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति सचेत करेगा। रथ द्वारा मलेरिया जागरूकता माह के दौरान मलेरिया से बचाव के साधनों से भली भांति अवगत कराया जायेगा। साथ ही मच्छरदानी के उपयोग के लिये लोगों को प्रेरित किया जायेगा। जागरूकता रथ में बुखार रोगियों के रक्त के नमून लेकर जांच एवं मलेरिया पाये जाने पर उपचार की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। सीएमएचओ डॉ. राजेश परिहार ने स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि मैदानी क्षेत्रों में मलेरिया के उपचार संबंधी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। लार्वा विनिष्टीकरण का कार्य भी सतत संचालित किया जाये। उन्होंने ग्रामीण जन में मलेरिया के प्रति जागरूकता लाकर मलेरिया की बीमारी से बचाव की बात कही। इस अवसर पर जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती श्रुति गौर तोमर, जिला मलेरिया अधिकारी श्री जितेंद्र सिंह राजपूत सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले के शैक्षणिक संस्थानों में हो शत प्रतिशत एडमिशन : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सीएम हेल्पलाइन, विभागीय गतिविधियों और योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों तथा निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन जन शिकायतों के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है, सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय अवधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नेशनल हाईवे तथा रेल परियोजनाओं के लिए भू अर्जन, मुआवजा वितरण, अर्जित भूमि का नामांतरण कब्जा दिलाने के कार्य में प्रगति लाने के साथ ही पार्वती परियोजना के विस्थापितों के लिए विस्थापन स्थल पर सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्यवाही तेजी से करने के निर्देश दिए। इसी तरह वनग्रामों से राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन और वन खंडों के व्यवस्थापन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि जिले में 49 वन ग्रामों का राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन तथा 74 वन खण्डों का व्यवस्थापन किया जाना है। उन्होंने आगामी खरीफ सीजन के लिए खाद बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने समग्र ईकेवाईसी की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसानों को वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड

विदिशा (निप्र)। जिले मे विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं अन्य सभी विभागों के द्वारा विकासखण्ड विदिशा के ग्राम देवखजुरी, खेरुआ हाट तथा लश्करपुर में रविवार को किसान वैज्ञानिक संवाद आयोजित किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. आरएस चौधरी ने किसानों को बताया कि फसलों के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग मृदा परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार ही करना चाहिए, इनके द्वारा किसानो को खेत की नरवाई ना जलाने की शपथ भी दिलाई गई तथा नरवाई जलाने से मिट्टी व पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में बताया।

खरीफ फसलों के लिए आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी साथ ही साथ सरकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी से अवगत कराया। साथ में कृषि वैज्ञानिक श्री रंजीत सिंह राघव ने किसानों को जानकारी दी कि पोटाश उर्वरक का फसलों में महत्त्व तथा सही बीज दर एवं फसलों में रोगों की पहचान एवं कीटों के नियंत्रण में सहायक होती है तथा उन्नत तकनीकों व योजनाओं की जानकारी दी साथ ही साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। नवीन किस्मो, फसल में आने वाले रोग कीट एवं रोकथाम की जानकारी दी, आईसीटी का उपयोग, डीएसआर, फसल विविधिकरण की नवीन तकनीकों से किसानो को अवगत कराया गया। खाद के वेकल्पिक नैनो यूरिया, नेनो डीएपी के उपयोग की अनुसंशा की। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि सरपंच श्री भारत सिंह अहिरवार, तहसीलदार, एसडीओ, आत्मा परियोजना के बीटीएम श्री प्रदीप मालवीय तथा वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम देवखजुरी व खेरुआ हाट में छापखेडा के खेतों किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में उर्वरक अनुसंशा की जानकारी दी तथा कार्डो किसानो को वितरण किया। कृषि विस्तार अधिकारी केन्द्र खेरुआ हाट विशाल यादव एव कृषि विभाग के साथि कार्यकृम मे पहुंचे, कृषक बंधुओं, कृषि वैज्ञानिक तथा अधिकारी, कर्मचारियो का आभार व्यक्त किया।

सेवई व्यवसाय से आत्मनिर्भर बनीं श्रीमती रूपाली नरवरे

बैतूल (निप्र)। बैतूल मुख्यालय के तुलसी नगर निवासी रूपाली नरवरे आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं। पिछले 12 वर्षों से वे पारंपरिक सेवई बनाने का व्यवसाय कर रही थीं, लेकिन सीमित संसाधनों के चलते व्यवसाय को बढ़ा नहीं पा रही थी। इसी दौरान उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना की जानकारी मिली, जिसने उनके व्यवसाय को नया आयाम दे दिया। श्रीमती रूपाली ने योजना के अंतर्गत आवेदन किया और उन्हें ढाई लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस धनराशि से उन्होंने अपने सेवई निर्माण व्यवसाय में नई मशीनें एवं संसाधन जोड़े, जिससे उत्पादकता में वृद्धि हुई। व्यवसाय के विस्तार के साथ ही उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। श्रीमती रूपाली नरवरे ने बताया कि अब वह पहले से कई गुना अधिक सेवई तैयार कर पा रही हैं, जिससे बाजार में उनकी मांग बढ़ी है। उन्होंने इस व्यवसाय के माध्यम से दो लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इससे न केवल उनका परिवार सशक्त हुआ है, बल्कि अन्य परिवारों को भी सहारा मिला है। श्रीमती रुपाली ने कहा कि केंद्र और राज्य शासन द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। इन योजनाओं से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सशक्त राष्ट्र का उदाहरण बन रही है। जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

संपादकीय

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था। महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे। यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चो की अधिकता रहेगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा।

सिंह राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम अच्छा चलेगा।

कोरोना महामारी के मोर्चे पर सरकार की तैयारियां?

भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज़ हो गई है। केवल 13 दिनों में संक्रमण के मामले 257 से बढ़कर 4026 तक पहुंच गए हैं। इसमे सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है, सरकार की ओर से इस बार कोई ठोस गाइडलाइन या रणनीति सामने नहीं आई है। अस्पतालों में कोविड वार्ड नदारद हैं। ऑक्सीजन सिलेंडरों की किल्लत फिर हो सकती है। पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य ढांचा चरमराने की कगार पर है। पीएम केयर फंड के माध्यम से जो अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगवाए गए थे, वे बंद पड़े हुए हैं। सरकार की ओर से अभी तक कोरोना के वायरस और इलाज को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसके कारण आम लोगों में डर और भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के विनाशकारी अनुभव के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें इस बार पूरी तरह बेपरवाह नज़र आ रही हैं। न तो अस्पतालों में कोविड बेड आरक्षित किये गये हैं, ना ही कोरोना वायरस की टेस्टिंग को लेकर कोई दिशा निर्देश अथवा सख्ती शुरू की गई है। कई जिलों में आरटी-पीसीआर जांच सीमित हैं। ऐसे में असल संक्रमण की स्थिति का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे गंभीर चिंता यह है, इस बार कोविड के नए वैरिएंट्स—जैसे जेएन-1, एक्सबीबी1.16 और बीए.2.86—तेजी से फैल रहे हैं। इन पर पहले की वैक्सीन कारगर नहीं है। इसका दावा खुद स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। इलाज का कोई निष्कर्ष अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार इस पर कोई संज्ञान लेते नहीं दिख रही है। सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी है, कि वहां सामान्य मरीजों को भी ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। यदि संक्रमण और फैला तो सरकारी एवं निजी अस्पतालों मे कोरोना बीमारी के इलाज के नाम पर मनमानी एक बार फिर आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी। इससे निपटने के लिए कोई स्पष्ट नीति या तैयारी को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी से निपटने के लिए पूर्व योजना, संसाधनों का भंडारण, पारदर्शी रिपोर्टिंग एवं केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक हैं। दुर्भाग्यवश, यह सब समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक ही सीमित है। अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो देश एक बार फिर उसी अराजकता और भय के दौर में लौट सकता है, जो दूसरी लहर के समय देखा गया था। कोविड-19 में दूसरी और तीसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हुईं थीं। सरकार ने 4.60 लाख मौत होना स्वीकार की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 30.7 लाख मौत भारत में होने की पुष्टि की थी। बीबीसी, टेलीग्राफ और कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी में बीमारियों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए थे उसमें भारत में कम से कम 30.7 मौतें होना बताया गया था। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत की जनसंख्या के हिसाब से कोरोना में मरने वालों की संख्या 0.3 फ़ीसदी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 0.6 माना गया था। 2021 में इस महामारी के कारण जो विनाश हुआ था, उसको देखते हुए भारत से दुनिया के देशों को कोरोना के नए वायरस को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। वह भी तब जब इसकी कोई वैक्सीन नहीं है। अभी तक विश्व स्तर पर इसके इलाज के बारे में कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। ऐसे में चिंता और भी बढ़ जाती है। सरकार को तुरंत कोरोना बीमारी के उपचार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

- ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब

ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए।

मां गंगा के अवतरण की याद दिलाता है गंगा दशहरा

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने जिस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण किया,उस पवित्र दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे।जिसके लिए उन्होंने कठिन तपस्या की थी। गंगा दशहरा पर हर वर्ष गंगा में आस्था की डुबकी लगाई जाती हैं। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गंगा में स्नान करने से 10 प्रकार के पाप मिट जाते हैं।गंगा ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हस्त नक्षत्र में धरती पर अवतरित हुई थी। इस साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 4 जून की रात 11 बजकर 54 मिनट पर शुरू हो रही है।ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए 5 जून, गुरुवार को गंगा दशहरा मनाया जा रहा है।गंगा दशहरा पर सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर सिद्धि योग है।इसके साथ ही इस दिन रवि योग और हस्त नक्षत्र भी है,जो दोपहर 1 बजकर 2 मिनट पर तैतिल करण रहेगा। गर करण योग दोपहर 2 बजकर 15 मिनट तक रहने वाला है। गंगा में डुबकी लगाते समय 'ॐ नम: शिवायै नारायण्यै दशहरायै गंगायै नम:' मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता हैं। गंगा दशहरा के दिन दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन दान-धर्म के कार्य करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा का अर्थ 10 मनोविकारों के विनाश से है। ये दस मनोविकार हैं-क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी।जिनसे मुक्ति के लिए ज्ञान गंगा का स्नान करने से हम विकारमुक्त होकर पवित्र बन सकते है। राजा भागीरथ की कठोर तपस्या, उनके अथक प्रयास और

परिश्रम से इसी दिन गंगा ब्रह्मा जी के कमंडल से निकलकर शिव की जटाओं में विराजमान हुई थी और शिवजी ने अपनी शिखा को खोल कर गंगा को धरती पर जाने की अनुमति दी थी। इसलिए गंगा के धरा अवतरण दिवस को गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है। गंगा दशहरा के दिन प्रात: काल गंगा में स्नान करके मां गंगा की आरती करने से समस्त पापों का विनाश हो जाने की धार्मिक मान्यता है। गंगा का जल हमेशा पवित्र व गुणकारी होता है,उसमें कभी भी कीड़े नहीं पड़ते और इसका जल प्रदूषित नहीं होता । इसलिए इस जल में स्नान करने से रोगों का विनाश हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन स्नान, ध्यान और तर्पण करने से शरीर शुद्ध और मानसिक विकारों से मुक्त हो जाता है।अमृत दायिनी मां गंगा के स्पर्श मात्र से ही चराचर जीवो के पापों का अंत हो जाता है और उसे मुक्ति मिल जाती है। कहते है कि एक बार महाराज सगर ने एक बड़ा यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया। सारा भूमंडल खोज लिया पर अश्व नहीं मिला।फिर अश्व को पाताल लोक में खोजने के लिए पृथ्वी को खोदा गया। खुदाई पर उन्होंने देखा कि साक्षात? भगवान महर्षि कपिल के रूप में तपस्या कर रहे हैं। उन्हीं के पास महाराज सगर का अश्व घास चर रहा है। प्रजा उन्हें देखकर चोर-चोर चिल्लाने लगी। महर्षि कपिल की समाधि टूट गई।ज्यों ही महर्षि ने अपने आग्नेय नेत्र खोले, त्यों ही सारी प्रजा भस्म हो गई। इन मृत लोगों के उद्धार के लिए ही महाराज दिलीप के पुत्र भगीरथ ने कठोर तपस्या की थी।भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने उनसे वर मांगने को कहा तो भगीरथ ने गंगा की मांग की।इस पर ब्रह्मा ने कहा-राजन! तुम गंगा का पृथ्वी पर अवतरण तो चाहते हो? परंतु क्या तुमने पृथ्वी से पूछा है कि वह गंगा के भार तथा वेग को संभाल पाएगी? मेरा विचार है कि गंगा के वेग को संभालने की शक्ति केवल भगवान शंकर में है। इसलिए उचित यह होगा कि गंगा का भार एवं वेग संभालने के लिए भगवान शिव का अनुग्रह प्राप्त कर लिया जाए। महाराज भगीरथ ने वैसा ही किया। उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने गंगा की धारा को अपने कमंडल से छोड़ा। तब भगवान शिव ने गंगा की धारा को अपनी जटाओं में समेटकर जटाएं बांध लीं। इसका परिणाम यह हुआ कि गंगा को जटाओं से बाहर निकलने का पथ नहीं मिल सका।अब महाराज भगीरथ को और भी अधिक चिंता हुई।

पृथ्वी पर प्लास्टिक का शिकंजा: तोड़ने की बारी हमारी

प्रवीण कक्कड़

पौधे लगाने, पानी बचाने और अन्य पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के लिये हम काफी बातें करते हैं लेकिन क्या वाकई में हम अपने इस पृथ्वी को बचाना चाहते हैं। अगर आपका जवाब हां है तो हमें चिंतित होने की जरूरत है क्योंकि पर्यावरण संरक्षण को लेकर हमारे प्रयास नाकाफी हैं। पर्यावरण के लिए आज सबसे बड़ा खतरा बन चुका है प्लास्टिक प्रदूषण।

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है। इस साल के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है, जो इस गंभीर मुद्दे की अहमियत को दर्शाती है। प्लास्टिक बेशक हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है, लेकिन अब यही प्लास्टिक हमारे अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा ख़तरा बन गया है। अगर हमने समय रहते प्लास्टिक के ख़िलाफ़ कोई ठोस कदम नहीं उठाए, तो शायद बहुत देर हो जाएगी।

प्लास्टिक प्रदूषण एक साइलेंट किलर

1. प्लास्टिक क्यों है खतरनाक?

- अपघटन में सैकड़ों साल: एक प्लास्टिक बैग को गलने में 450 से 1000 साल लगते हैं।
- समुद्रों का दुश्मन: हर साल 11 मिलियन टन प्लास्टिक समुद्र में जाता है, जो लगभग 2,200 एफिल टावर्स के वजन के बराबर है।
- माइक्रोप्लास्टिक का खतरा: यह छोटे-छोटे कण हमारे भोजन, पानी और यहाँ तक कि हमारे खून में भी पाए जा चुके हैं।

2. हमारी लापरवाही के परिणाम

- जीव-जंतुओं की मौत: समुद्री कछुए, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर खा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है।
- मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव: प्लास्टिक में मौजूद केमिकल्स कैंसर, हार्मोनल असंतुलन और प्रजनन संबंधी समस्याएँ पैदा कर सकते हैं।

हम क्या कर सकते हैं?

1. प्लास्टिक का उपयोग कम करें

- रीयूज़ेबल बैग और बोतलें इस्तेमाल करें: हर साल 500 अरब प्लास्टिक बैग्स का उपयोग होता है, जिनमें से अधिकांश एक बार इस्तेमाल के बाद फेंक दिए जाते हैं।
- सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचें: प्लास्टिक स्ट्रॉ, कटलरी और कप का विकल्प चुनें।

2. रीसाइक्लिंग को अपनाएँ

- प्लास्टिक वेस्ट को अलग करें: भारत में केवल 60%प्लास्टिक कचरा ही रीसाइकिल हो पाता है।
- इनोवेटिव आइडियाज़ को सपोर्ट करें: प्लास्टिक से टाइल्स, थर्माकोल और अन्य उपयोगी चीजें बनाने की तकनीकें विकसित हो रही हैं।

3. जागरूकता फैलाएँ

- सोशल मीडिया का उपयोग करें: #BeatPlasticPollution जैसे हैशटैग के साथ अपने अनुभव शेयर करें।
- स्कूल और कम्युनिटी में कार्यक्रम आयोजित करें: नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिताएँ और स्वच्छता अभियान चलाएँ।

आपका एक कदम, पृथ्वी के लिए वरदान

हम सभी को यह समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण कोई दूर की समस्या नहीं है, यह हमारे दरवाज़े तक पहुँच चुकी है। लेकिन अगर सार्थक पहल की जाए तो इसे रोका जा सकता है! इस विश्व पर्यावरण दिवस पर, आइए संकल्प लें कि हम अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करेंगे। क्योंकि जब सभी मिलकर चलेंगे, तो प्लास्टिक प्रदूषण को हराना कोई मुश्किल काम नहीं होगा।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति को बिगाड़ देगी

- संजय गोस्वामी

2025 मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का पुन: आयोजन भारत में होना पश्चिमी सभ्यता क़ो बढ़ावा देता है यह आयोजन हैदराबाद , तेलंगाना में शुरू हुआ, जो एक महत्वपूर्ण क्षण था क्योंकि भारत एक बार फिर इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर रहा है। इस साल भारत का प्रतिनिधित्व नंदिनी गुप्ता ने किया, जो हैदराबाद, तेलंगाना में चल रही एक महीने तक चलने वाली मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में भाग लिया इस प्रतियोगिता में भारत से सिनी शेट्टी ने प्रतिनिधित्व किया लेकिन सवाल यह है कि भारत में कराने की जरुरत ही क्या है 27 साल के लंबे अरसे के बाद, भारत ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी मुंबई में की थी जो भारतीय संस्कृति के लिए ठीक नहीं था इससे लोगों में खासकर युवाओ में गलत मैसेज जाता है क्योंकि आप खुद देखिए और बताएँगे कि कैसा आयोजन है मैं किसी प्रतियोगिता के खिलाफ नहीं हूँ लेकिन बहुत साल पहले 1987 में ब्लैक एंड वाइट टीवी में युवा था तो देखने क़ो जैसे लगाया मेरे परिवार ने साफ मना कर दिया उस समय टीवी सब लोग साथ मिलकर देखते थे क़ोई भी उसके समर्थन में नहीं थे जैसा संस्कार मिला वैसी सोच पैदा हुई और इसका फायदा ऐ हुआ कि कभी किसी भी लड़की क़ो गलत निगाह से देखा ही नहीं बिगड़ना आसान है बनना मुश्किल कपड़े से देश की संस्कृति की पहचान होती है ऐ पूर्वजों द्वारा बनाया गया है और इसका पालन भी करना चाहिए,किसी मिस वर्ल्ड 2024 के विजेता की घोषणा की थी।

किसी भी देश का अपना इतिहास होता है, परम्परा होती है। यदि देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। किसी भी संस्कृति में आदर्श होते हैं, मूल्य होते हैं। इन मूल्यों की संवाहक संस्कृति होती है। भारतीय संस्कृति में चार मूल्य प्रमुख हैं—धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूकमाटी महाकाव्य में वह परिभाषा हमें मिलती हैं—इस युग के दो मानव अपने को खोना चाहते हैं एक भोग रोग मद्यपान को चुनता है और एक योग त्याग आत्मध्यान को धुनता है। कुछ ही क्षणों में दोनों होते विकल्पों से मुक्त फिर क्या कहना एक शव के समान निरा पड़ा है और एक शिव के समान खरा उतरा है। सच यही है वे दोनों संस्कृतियाँ जिनमें से हमें क्या चुनना है यह हमारे ऊपर निर्भर है। वर्तमान में सामाजिक बदलाव को देखकर ऐसा लगने लगा है कि जैसे न ही हमारी संस्कृति रह गई है न ही हमारी सभ्यता। जहाँ तक सवाल है पश्चिमी सभ्यता का तो हम लोगों ने उन बातों को अपनाया जो भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल थीं। जिस भारतीय समाज में हम रहते हैं वहाँ का वातावरण, सभ्यताएँ, मर्यादाएँ नैतिक मूल्य कुछ और ही हैं। ऐसे में जब हम पहनावे में उसकी खुली सोच और खुलेपन का अंधानुकरण करते हैं तो हमारे वातावरण में नग्नता दिखाई देती है। हवा में अजीब-सी गंदगी घुल गई है मानव मस्तिष्क पर विपरीत असर कर रही है बात मैं हवा की नहीं कर रही हूँ। मैं हवा के माध्यम से हमारे चारों ओर के सामाजिक परिवेश की चर्चा कर रही हूँ। पाश्चात्य से बटोरा है हमने काम—ग्रसित समाज जिसने हमारी भावनाओं को काम के वशीभूत किया है। लिया है हमने पाश्चात्य से अतिमहत्वाकांक्षी होने का मन्त्र जिसने हमें हमारे सामाजिक परिवेश में अनुशासनहीन जीवन जीने की ओर अग्रसर किया है जाना है हमने पाश्चात्य से न्यूक्लीयर युक्त समाज में जीवन जीने का तंत्र। इस तंत्र ने मानव सभ्यता को इसके अंत पर लाकर खड़ा किया है। पाश्चात्य से हमने सीखा है वर्णशंकर युक्त नई पीढ़ी के साथ जीवन जीने का मार्ग, यह मार्ग बड़ा आसाँ है हमारे भारत धर्म भारतीय की संस्कृति को अधोगति में ले जाने के लिए। चाहिए तो था हम बटोरते कुछ ऐसा पाश्चात्य संस्कृति से जो उसे हमसे कुछ मायनों में आदर्श बनाती है जैसे कि हम उनकी ही तरह ईमानदार होते, राष्ट्र के प्रति समर्पित होते, राष्ट्रप्रेमी होते, अनुशासित होते जो हमें सम्पूर्ण मानव बनने में सहायक होती। हम एक आदर्श भारतीय समाज का निर्माण कर पाते हम आसमां पर चमकते न कि भ्रष्टाचार, बलात्कार, अपराध की सूचि में सबसे ऊपर होते। क्योंकि उस आयोजन में ठीक वही होता है जिससे युवा पीढ़ी का फिसलना तय है भले ही विदेशों में हिट हो लेकिन यह हमारी भारतीय संस्कृति के लिए सही नहीं है आप बड़ो के साथ कैसे बैठते हैं क्या तौर तरीके है उसे समझना जरुरी है आप असल में सुन्दर हैं तो तन की नहीं मन की सुंदरता में विश्वास रखना चाहिए आप नारी हो किसी के हाथ की कटपुतली नहीं जो जैसे बोलेंगे वैसे कपड़े बदलेंगे इसलिए झांसी की रानी सब नहीं होती माता सीता क़ो इसलिए पूजन किया जाता है क्योंकि उसने अपने संस्कार क़ो कपड़े से नहीं प्रभु राम के चादर से लपेटा और यदि सीखना है तो सेना में भर्ती होकर देश का नाम रौशन करें यहाँ नारी क़ो दुर्गा का रूप इसलिए माना जाता है क्योंकि वो भारत में राक्षषों का नाश किया जो हवस के शिकार थेभारतीय संस्कृति में अपना वस्त्र साड़ी है लेकिन कुछ भी पहने समाज के अनुसार अंग वस्त्र कभी नहीं क्योंकि ऐ फूहड़ता का प्रतिक है भारत का संस्कार पुरातन ऋषि मुनियों द्वारा दि गई है लाज नहीं होता जब अंग वस्त्र का प्रदर्शन खुले में होता है इससे भारतीय संस्कृति में बेहद डरावना नजर आता है भारत में आज नारी को पूजा जाता है क्योंकि ऐ देश कन्या क़ो माता की तरह पूजन करती है उसके सम्मान की रक्षा करना हर भारतीय का दायित्व है।

कब और किसे नहीं खाना चाहिए कद्दू

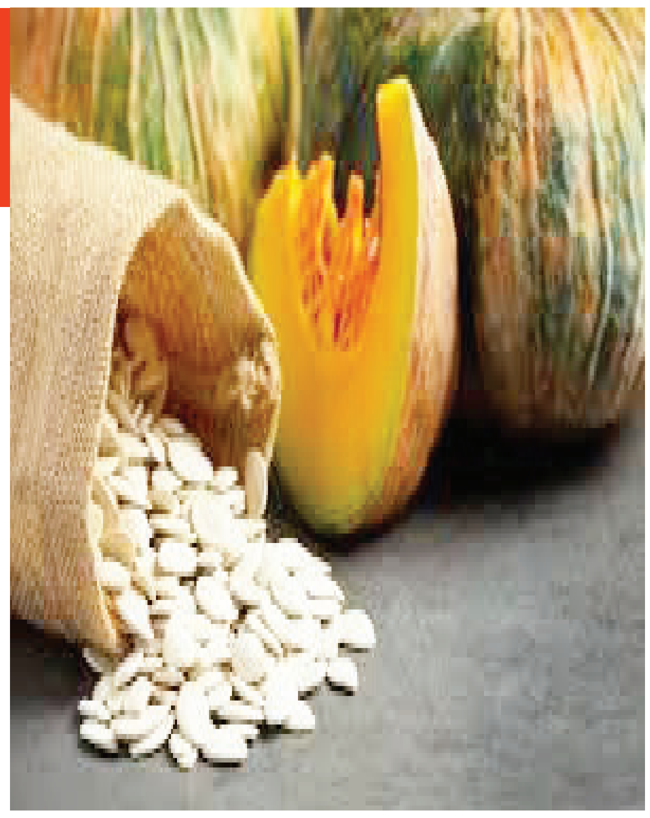

कद्दू विटामिन ए से भरपूर होता है। यह त्वचा, हड्डी और दांतों को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके अलावा ये फाइबर से भरपूर है जो कि कई बीमारियों से बचाता है। ये पेट का मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है और पाचन क्रिया को तेज करता है। कद्दू में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जैसे अल्फा-कैरोटीन, बीटा-कैरोटीन और बीटा-क्रिप्टोक्सैन्थिन। ये एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों को बेअसर कर सकते हैं और आपकी कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से बचा सकते हैं। लेकिन, हर स्थिति में कद्दू खाना फायदेमंद नहीं है। क्यों जानते हैं इस बारे में।

पेट सही न हो तो कद्दू न खाएं : कद्दू खाना गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) इंफेक्शन से जुड़े लक्षणों को बढ़ा सकता है। इसकी वजह से आपको फूड एलर्जी हो सकती है। इससे अलावा कद्दू खाना पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकता है जिससे समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

फूड प्वाइजनिंग हो सकती है : कद्दू खाना बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगजनकों को प्रसारित कर सकता है जो बीमारी का कारण बन सकते हैं। ये फूड प्वाइजनिंग की वजह बन सकता है और आपको गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। इसे खाने के बाद उल्टी, मतली और कई प्रकार की समस्याएं हो सकती है और ये दस्त समेत शरीर को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

गर्भवती हैं या स्तनपान कराने वाली मां : जो लोग गर्भवती हैं या स्तनपान करा रही हैं, उन्हें इसे खाने से बचना चाहिए। साथ ही ध्यान रखें कि किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करने से पहले हमेशा अपने आहार के बारे में डॉक्टर से जांच करनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसे खाना उनके लिए सुरक्षित है या नहीं।

कुछ दवाओं के कारण नुकसान : कद्दू के पोषक तत्व शरीर को पानी की मात्रा को जल्दी से खत्म करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं यानी कि डिहाइड्रेट कर सकते हैं। जो इस बात पर असर डाल सकता है कि शरीर लिथियम जैसी कुछ दवाओं को कैसे अवशोषित करता है। इसलिए दवाओं के साथ कद्दू खाने से बचें।

लो बीपी में : कद्दू के बीज में बीटा कैरोटीन और मैग्नीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन, अगर आप हाई बीपी की दवाओं जैसी दवाओं का उपयोग कर रहे हैं, तो अपने आहार में कद्दू को शामिल करने से पहले डॉक्टर से बात करें। तो, इन तमाम स्थितियों में कद्दू खाने से बचें।

खाना खाने के कितनी देर के बाद पानी पीना चाहिए?

कुछ लोग खाना खाने से पहले पानी पीते हैं, तो वहीं कुछ लोग खाना खाते-खाते पानी पी लेते हैं और कुछ लोग खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना खाते-खाते या फिर खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने की वजह से आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है? आइए जानकारी हासिल करते हैं कि आखिर आपको खाना खाने के कितनी देर बाद पानी पीना चाहिए।

30 मिनट के बाद पिएं पानी

आयुर्वेद के मुताबिक आपको खाना खाने के कम से कम 20-30 मिनट के बाद ही पानी पीना चाहिए। अगर आप खाना खाने के आधे घंटे बाद पानी पीते हैं, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर नहीं पड़ता है। यानी अगर आप अपने डाइजेस्टिव सिस्टम को डिस्टर्ब नहीं करना चाहते, तो आपको खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए।

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से क्या होता है?

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आपकी इस आदत की वजह से आपको पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खाने के एकदम बाद पानी पीने से डाइजेशन प्रोसेस धीमा हो जाता है। यही वजह है कि आयुर्वेद में खाने के तुरंत बाद पानी पीने से मना किया जाता है।

गौर करने वाली बात

आयुर्वेद के मुताबिक खाने को अच्छी तरह से चबाकर खाना चाहिए। अगर आप बड़ी-बड़ी बाइट्स बिना चबाए निगल जाएंगे, तो आपकी गट हेल्थ पर नेगेटिव असर पड़ सकता है और आप पेट से जुड़ी समस्याओं का शिकार बन सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहते हैं कि आपका खाना अच्छी तरह से डाइजेस्ट हो पाए, तो आपको खाने और सोने के बीच में भी कम से कम दो से तीन घंटे का गैप रखना चाहिए।

मधुमेह के मरीज रोज सुबह खाली पेट पी लें इस सूखे पत्ते की चाय

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

सेहत के लिए वरदान साबित होगी लेमनग्रास टी

क्या आप जानते हैं कि सही मात्रा में और सही तरीके से लेमनग्रास चाय पीने से आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को काफी हद तक दूर कर सकते हैं? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लेमनग्रास टी में विटामिन ए, विटामिन सी, जिंक, कॉपर, आयरन, पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर लेमनग्रास टी पीने की सलाह देते हैं। आइए इसके पीछे छिपे कुछ कारणों के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

लेमनग्रास टी में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। एसिडिटी और पेट दर्द जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप लेमनग्रास टी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा लेमनग्रास टी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को भी काफी हद तक आसान बना सकती है।

बूस्ट करे इम्यूनिटी

विटामिन सी रिच लेमनग्रास टी को रेगुलरली कंज्यूम करने से आप अपने इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बना सकते हैं। लेमनग्रास टी न केवल कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बल्कि आपकी हार्ट हेल्थ को सुधारने में भी कारगर साबित हो सकती है। जोड़ों के दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी लेमनग्रास टी का सेवन किया जा सकता है।

मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लेमनग्रास टी न केवल आपकी फिजिकल हेल्थ के लिए बल्कि आपकी मेंटल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है। अगर आप तनाव और चिंता को कम करना चाहते हैं, तो लेमनग्रास टी पीना शुरू कर दीजिए। कुल मिलाकर अपनी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने के लिए लेमनग्रास टी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है।

फायदा ही नहीं सेहत को नुकसान भी पहुंचाता है ओट्स

जानें किन लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए?

ओट्स का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह सुपरफूड अपने हाई फाइबर और हृदय स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। रात भर भिगोए गए ओट्स से लेकर ओट्स चीला तक, इस अनाज को खाने के कई तरीके हैं। यानी नाश्ते के लिए ओट्स एक हेल्दी विकल्प है, लेकिन कुछ लोगों को इसे नहीं खाना चाहिए। चलिए जानते हैं वे लोग कौन हैं?

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए ओट्स :

एलर्जी होने पर : ओट्स से एलर्जी बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रभावित कर सकती है। ओट्स एलर्जी के लक्षणों में पित्ती, जठरांत्र संबंधी, श्वसन संबंधी समस्याएं शामिल हैं। इसलिए, ओट्स से एलर्जी वाले लोगों को ओट्स के उत्पादों का सेवन करने से बचना चाहिए।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम से पीड़ित : ओट्स में घुलनशील फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। लेकिन, ओट्स में मौजूद हाई फाइबर इरिटेबल बाउल सिंड्रोम वाले लोगों में यह समस्या हो सकती है। इससे पेट में सूजन, गैस और तकलीफ पैदा हो सकती है।

मिनिरल्स की कमी होने पर : ओट्स में फाइटिक एसिड होता है, जो एक एंटीन्यूट्रिएंट है जो कैल्शियम, आयरन और जिंक जैसे आवश्यक मिनिरल्स से जुड़ सकता है, जिससे शरीर में अवशोषण कम हो जाता है। हालांकि यह स्वस्थ लोगों के लिए हानिकारक नहीं है, लेकिन जिन लोगों में मिनिरल्स की कमी है या जो लोग मुख्य रूप से ओट्स खाते हैं, उन्हें कम मात्रा में ओट्स खाना चाहिए।

किडनी की बीमारी से पीड़ित लोग : ओट्स में फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है, जो किडनी के लिए हानिकारक हो सकती है, इसलिए किडनी की बीमारी वाले लोगों को ओट्स खाने से बचना चाहिए।

डायबिटीज के मरीज: ओट्स में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकते हैं, इसलिए डायबिटीज के मरीजों को डॉक्टर से सलाह लेकर ही ओट्स खाना चाहिए।

खाने के बाद करें 10 मिनट की वॉक

रोजाना वॉक करके आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर भगा सकते हैं। लेकिन क्या आप खाना खाने के बाद वॉक करने के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं? दादी-नानी के जमाने से खाना खाने के बाद वॉक करने की सलाह दी जाती रही है। जो लोग रेगुलरली टहलते हैं, उनका शरीर बाकी लोगों की तुलना में ज्यादा ताकतवर बन जाता है। आइए जानते हैं कि खाना खाने के बाद वॉक क्यों करनी चाहिए... आपको हर रोज खाना खाने के बाद महज 10 मिनट निकालकर टहलना चाहिए। एक हफ्ते तक इस नियम को बिना तोड़े फॉलो कीजिए और आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखने को मिल जाएगा। हालांकि, खाना खाने के बाद आपको ज्यादा तेज स्पीड में वॉक नहीं करनी चाहिए वरना आपके शरीर पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

मिलेंगे फायदे ही फायदे – खाने के बाद वॉक करने से आप अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर सकते हैं। अगर आपको डायबिटीज है तो आपको इस नियम को जरूर फॉलो करना चाहिए। खाने के बाद वॉक करने से न केवल आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट किया जा सकता है बल्कि आपकी गट हेल्थ को भी काफी हद तक सुधारा जा सकता है।

जेईई एडवांस्ड 2025 में अनअकैडमी के छात्रों की शानदार सफलता

भोपाल। देश की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक, जेईई एडवांस्ड 2025 का परिणाम आ चुका है, और इस बार अनअकैडमी ने सफलता की एक नई कहानी लिखी है। इस साल अनअकैडमी के 4129 से ज्यादा छात्रों ने जेईई एडवांस्ड में सफलता हासिल की है, जो यह साबित करता है कि सही गाइडेंस, मेहनत और तकनीक के साथ कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है। इस मौके पर अनअकैडमी के को-फाउंडर सुमित जैन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा हमारे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि इतनी बड़ी संख्या में हमारे छात्रों ने जेईई एडवांस्ड 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। हम उज्जवल केसरी सहित सभी छात्रों को दिल से बधाई देते हैं। यह सिर्फ छात्रों की मेहनत का नहीं, बल्कि हमारे सभी शिक्षकों और पूरी टीम के दिन-रात के प्रयासों का नतीजा है। हम आगे भी इसी जुनून और समर्पण के साथ छात्रों की मदद करते रहेंगे, ताकि वे अपने सपनों को हकीकत बना सकें।18 छात्र टॉप 100, 787 छात्र टॉप 5000, और 2205 छात्र टॉप 15000 रैंक में आए हैं। यह संख्या सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हज़ारों सपनों के पूरे होने की कहानी है।अनअकैडमी अपने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ मजबूत सपोर्ट सिस्टम भी देता है। यहां छात्रों को डिजिटल क्लासरूम, 1:1 डाउट सॉल्विंग, एक्सपर्ट काउंसलिंग और पर्सनल गाइडेंस जैसी सुविधाएं मिलती हैं, जो उन्हें बेहतर ढंग से तैयारी करने में मदद करती हैं। जेईई या नीट की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अनअकैडमी सेंटर ने एक अनोखी पहल की है — 'श्योर सक्सेस प्रोग्राम'। इस पहल के तहत अगर तय शर्तों के बाद भी नीट में 500 से कम या जेईई में 93 परसेंटाइल से कम स्कोर आता है, तो छात्रों को कोर्स फीस का 50 प्रतिशत वापस मिलेगा।

देव आईटी का मुनाफा 56 प्रतिशत उछला

मुंबई। देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड, एक वैश्विक आईटी सेवा कंपनी जो क्लाउड सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लिकेशन और प्रबंधित आईटी सेवाएं प्रदान करती है, और टैलीजेंस और बाइटसाइनर जैसे उत्पादों के साथ, ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। एफवाय25 समेकित मुख्य वित्तीय मुख्य बिंदु ज़कुल आय 1,839.09 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 11.38 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए 237.18 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 54.91 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत) 12.90 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 362 बेसिस पॉइंट्स, शुद्ध लाभ 147.80 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 55.98 प्रतिशत, शुद्ध लाभ मार्जिन (प्रतिशत) 8.04 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 230 बेसिस पॉइंट्स प्रति शेयर आय 6.60, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 57.89 प्रतिशत है।

फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर ने वित्त वर्ष 25 में 186 करोड़ की कुल आय दर्ज की

मुंबई। एलईडी लाइट्स और फिक्स्चर के विनिर्माण और अभिनव प्रकाश समाधान में लगे फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर लिमिटेड (एनएसई - फोकस) ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर के प्रबंध निदेशक, अमित शेठ ने कहा, हमने अपने व्यवसाय खंडों में स्थिर प्रगति के साथ एफवाय25 का समापन किया, निष्पादन, ग्राहक संबंधों और उत्पाद नवाचार पर हमारे फोकस ने हमें निजी और सरकारी दोनों ग्राहकों से उल्लेखनीय जीत के साथ अपनी ऑर्डर बुक का विस्तार करने में मदद की। प्रतिष्ठित बुनियादी ढाँचे के खिलाड़ियों से अनुबंध हासिल करना और एक प्रमुख राज्य सरकार के विभाग द्वारा सूचीबद्ध होना सार्वजनिक क्षेत्र और बड़े पैमाने की परियोजनाओं में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

रेनॉल्ट इंडिया ने डिस्कवरी डेज़ की शुरुआत की

10 दिनों तक मिलेंगे धमाकेदार और रोमांचक ऑफ़र्स, बेहतरीन लाभ और कार्निवल अनुभव

प्रतिशत ब्याज दर पर फाइनेंसिंग, प्रोसेसिंग फीस में 50 प्रतिशत की छूट

मुंबई, एजेंसी। फ्रेंच कार निर्माता रेनॉल्ट ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय शाखा रेनॉल्ट इंडिया ने आज रेनॉल्ट इंडिया डिस्कवरी डेज़ के लॉन्च की घोषणा की। यह एक रोमांचक अखिल भारतीय कैंपेन है, जो 6 जून से 16 जून 2025 तक चलेगा। इस पहल के तहत, रेनॉल्ट इंडिया ग्राहकों को अपने देशभर के शोरूम पर आमंत्रित कर रही है, जहां वे कंपनी की रोमांचक गाड़ियों की रेंज देख सकते हैं – अब रेट्रोफिट सीएनजी विकल्पों के साथ। इसके अलावा, पहली बार मिलने वाले बेहतरीन ऑफ़र्स भी ग्राहकों को मिलेंगे, जो उनकी खरीद को और भी आसान और किफायती बना देंगे। रेनॉल्ट डिस्कवरी डेज़ दो लगातार वीकेंड पर शोरूम्स को जीवंत गतिविधियों के केंद्र में बदल देगा, जहाँ थीम आधारित कार्निवल, उपभोक्ताओं के लिए रोमांचक इवेंट्स और दिलचस्प अनुभव होंगे। ये आयोजन ऑटोमोबाइल प्रेमियों, परिवारों और पहली बार गाड़ी खरीदने वालों से जुड़ने के उद्देश्य से आयोजित किए जाएंगे। इस पहल पर बात करते हुए रेनॉल्ट इंडिया के वाइस

प्रेसिडेंट (सेल्स और मार्केटिंग), श्री फ्रांसिस्को हिडाल्गो ने कहा- हम भारतीय बाजार में रेनॉल्ट डिस्कवरी डेज़ को लॉन्च करके बेहद उत्साहित हैं। यह अभियान न केवल प्रोडक्ट डिस्कवरी को बढ़ावा देता है, बल्कि ग्राहकों को बेहतरीन ऑफ़र्स और शोरूम में खास अनुभव भी प्रदान करता है। इस पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य रेनॉल्ट के प्रति लोगों के जोश को फिर से जगाना है, हमारे उत्पादों में मौजूद इनोवेशन को सामने लाना है और हमारे ग्राहकों की वफादारी का सम्मान करना है – वो भी ऐसे फायदों के साथ, जो वाकई मायने रखते हैं। चाहे आप हमारे स्टाइलिश सिटी हैचबैक को पसंद करें, एडवेंचर के लिए तैयार एसयूवी की तलाश में हों या ईको-फ्रेंडली रेट्रोफिट सीएनजी विकल्प की ओर आकर्षित हों – हम हर कदम पर एक शानदार रेनॉल्ट अनुभव देने के लिए तैयार हैं। भारत की विविध और चुनौतीपूर्ण सड़कों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई रेनॉल्ट की कारों में स्मार्ट डिज़ाइन, फ्यूल एफिशिएंसी और आधुनिक फीचर्स का बेहतरीन मेल है। ग्राहक इस उत्सव के दौरान अपनी पसंदीदा रेनॉल्ट कार के लिए 16 जून से पहले टेस्ट ड्राइव बुक कर सकते हैं, स्पेशल डील्स का लाभ उठा सकते हैं, और रेनॉल्ट अनुभव को और करीब से महसूस कर सकते हैं।

देश में गूंजे आयोडीन की धुन - नमक हो टाटा का, टाटा नमक

बच्चों के मानसिक विकास में आयोडीन की अहमियत समझाता, टाटा नमक का नया अभियान!

मुंबई, एजेंसी। पहले कैंपेन 'नमक हो टाटा काज टाटा नमक' को उपभोक्ताओं से मिले प्यार से प्रेरित होकर, देश में आयोडीन युक्त नमक के नंबर 1 ब्रांड टाटा साल्ट ने, 'नमक हो टाटा काज टाटा नमक' के दूसरे संस्करण को आईपीएल फाइनल में लांच किया है। देश भर में लोगों का टाटा नमक से प्यार, और जुड़ाव को और गहरा बनाता ये कैंपेन, ब्रांड की प्रतिष्ठित जिंगल को, ब्रांड के उद्देश्य से जोड़ते हुए, एक नए सिरे से पेश कर रहा है।

नए कैंपेन में दिल को छू लेने वाली 8 शानदार ब्रांड फिल्में हैं, जो पुरानी यादों को ताज़ा करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश देती हैं- टाटा नमक, आयोडीन की सही मात्रा से बच्चों के मानसिक विकास में सहायता करता है, जिससे देश का भविष्य और भी सशक्त बनता है। देश का नमक के दर्जे को और भी मजबूत करते हुए, यह अभियान एक मनोरंजक और मधुर अंदाज़ में टाटा नमक की गुणवत्ता और भरोसे को उजागर करता है।

ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित, इस कैंपेन में ज़िंदगी के रोज़मर्रा के पल दिखाए गए हैं ङ्क लोरी सुनाती हुई माँ, क्लासरूम में पढ़ाती हुई टीचर, या एक हँसता-खिलखिलाता परिवार, हर दृश्य में टाटा नमक एक अहम साथी के रूप में मौजूद है ङ्क ऐसा साथी जो सालों से हर भारतीय रसोई का हिस्सा रहा है।

भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुडी ये फिल्में, हिंदी भाषी क्षेत्रों के घरेलू माहौल, बंगाल के भावनात्मक क्षणों और मराठी घरों की आत्मीय संस्कृति को दर्शाती हैं। हर पीढ़ी से जुड़ने वाली ये कहानियाँ, रोजमर्रा के पलों और भावनाओं को सामने लाती हैं।

इस कैंपेन के बारे में दीपिका भान, प्रेसिडेंट - पैकेज्ड फूड्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कहती हैं, यह पिछले साल के हमारे कैंपेन का एक स्वाभाविक और खूबसूरत विस्तार है। देश का नमक सिर्फ एक जिंगल नहीं, बल्कि वह भरोसा है जो पिछले चार दशकों में गुणवत्ता और सच्चाई के साथ जुड़ा है। यह नया संस्करण उपभोक्ताओं से हमारे रिश्ते को और गहरा बनाएगा और उनकी खुशी और भरोसे के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता दोहराएगा। अनुराग अग्निहोत्री, चीफ क्रिएटिव ऑफिसर (मुंबई और कोलकाता), ओगिल्वी, ने कहा,टाटा नमक यह बताना चाहता था कि आयोडीन से बच्चों का दिमाग़ तेज़ बनता है। लेकिन इतनी अहम बात लोगों तक कैसे पहुँचे इसलिए हमने 80 के दशक की यादों को फिर से ज़िंदा किया।

नेटवर्क पीपल सर्विहसेस टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई, एजेंसी। नेटवर्क पीपल सर्विहसेस टेक्नोलॉजीज, एक अग्रणी डिजिटल पेमेंट और फिनटेक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदाता, ने वित्त वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का कर पश्चात लाभ बढ़कर 45.20 करोड़ हो गया, जबकि राजस्व 180.62 करोड़ तक पहुंच गया। नवाचार, बाजार विस्तार और परिचालन उत्कृष्टता पर कंपनी का रणनीतिक फोकस उसके विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

एनपीएसटी के सह-संस्थापक एवं सीइओ दीपक चंद ठाकुर ने कहा, एफवाय25 हमारे लिए एक निर्णायक वर्ष रहा। हमने अपने इनोवेट, ट्रांसफॉर्म और ग्रो रणनीति के तहत एक व्यापक विकास एजेंडा शुरू किया। यह वर्ष उत्पाद नवाचार, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, प्रतिभा विकास और चुस्ती पर केंद्रित था — जो दीर्घकालिक संगठनात्मक सफलता की दिशा में प्रेरित है। एफवाय26 में प्रवेश करते हुए, हम अधिक मूल्य प्रदान करने और ग्राहकों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने के लिए तैयार हैं। सह-संस्थापक और संयुक्त प्रबंध निदेशक, आशीष अग्रवाल ने कहा एफवाय25 लगातार तीसरे वर्ष के रूप में मजबूत राजस्व वृद्धि लेकर आया है। एनपीएसटी के प्रदर्शन की स्थिरता और मजबूती हमारे ऐसे व्यवसाय मॉडल को दर्शाती है जो नियमित आवर्ती राजस्व, मजबूत मार्जिन और स्वस्थ नकदी प्रवाह उत्पन्न करता है।

बेरोजगारी घटने के बावजूद मई में काम मिलने की दर में आई गिरावट

रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बेरोजगारी घटने के बावजूद रोजगार मिलने की दर में गिरावट आई है। आलम यह है कि मई, 2025 में बेरोजगारों की कुल संख्या करीब 3.18 करोड़ थी, यानी इतने लोगों के पास काम नहीं था। हालांकि, बेरोजगारों की यह संख्या अप्रैल के 3.62 करोड़ की तुलना में 44 लाख कम है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, मई में बेरोजगारी दर घटकर 32 महीने के निचले स्तर 6.9 फीसदी पर आ गई।अप्रैल में यह 7.7 फीसदी थी।इस दौरान रोजगार मिलने की दर भी कम होकर 38.5 फीसदी रह गई, जो अप्रैल में 38.9 फीसदी रही थी। एक महीने की इस अवधि में रोजगार की संख्या में 30 लाख की कमी आई है, जबकि अप्रैल में 1.4 करोड़ की वृद्धि हुई थी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के श्रमबल में शामिल 42.95 करोड़ लोगों के पास मई में रोजगार था, जो पिछले कुछ महीनों की तुलना में काफी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी में 48 लाख की गिरावट देखने को मिली, जबकि शहरी इलाकों में यह 3.3 लाख बढ़ गई।

दिल्ली ने मेड इन डब्लूयूडी (एमआईडब्लू) डिजाइन विद्यार्थियों के भव्य ग्रैजुएट शो की मेजबानी की

इस आयोजन में स्नातक की पढ़ाई कर रहे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने डिजाइन, आर्किटेक्चर, फैशन, विजुअल आर्ट्स आदि क्षेत्रों में अनूठी परियोजनाएं प्रदर्शित की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रचनात्मकता और नवाचार का शानदार उत्सव हुआ जिसमें इंडिया हैबिटैट सेंटर की दृश्य कला वीथिका में 30 मई से एक जून तक चले मेड इन डब्लूयूडी (एमआईडब्लू) शो के प्रथम संस्करण में वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) से स्नातक की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों ने अपनी रचनाएं प्रदर्शित की। इस आयोजन में डिजाइन, आर्किटेक्चर, फैशन, विजुअल आर्ट्स, कम्युनिकेशन, इंटीरियर्स, एनिमेशन और परफॉर्मिंग आर्ट्स में स्नातक कर रहे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत की। इस प्रदर्शनी में स्कूल ऑफ फैशन से विद्यार्थियों ने ऐसे साहसिक और आगे की सोच वाले संग्रह प्रस्तुत किए जो पहचान, टिकाऊपन और किस्सागोई पर केंद्रित थे। उनके कार्यों में मॉड्युलर युटिलिटी वियर, बचे हुए फैब्रिक्स से बने सर्कुलर किड्सवियर, पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग पर नए सिरे से कार्य और भूमिगत उपसंस्कृति से प्रेरित मेन्सवियर शामिल थे। इन संग्रहों में नए विचारों के साथ शिल्पकौशल का मेल

देखने को मिला। वहीं उद्योग के साथ गठबंधन ने विद्यार्थियों का वास्तविक दुनिया के अनुभव से परिचय कराया और अधिक सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण फैशन की दिशा में रुख सामने आया। इस बीच, स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर ने ऐसी अनूठी परियोजनाएं पेश की जिनमें जगह और टिकाऊपन के बारे में नए तरीके से सोचना की संभावनाएं तलाशी गईं। इनमें एक जलवायु परिवर्तन से निपटने वाला कैंपस शामिल है जिसने अंतरक्षेत्रीय सीख, असम में बांस आधारित नवप्रवर्तन केंद्र, उज्जैन में एक टिकाऊ होटल परियोजना और कनॉट प्लेस में एक टीओडी का प्रस्ताव शामिल है जो कामकाज, रहने और मौज मस्ती का मेल कराता है। मैटेरियल, पर्यावरण और स्थानीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करने के साथ इन विद्यार्थियों ने भारत के निर्मित वातावरण के भविष्य उत्साहजनक विचारों की पेशकश की।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के कुलपति डाक्टर संजय गुप्ता ने कहा, एमआईडब्लू हमारे विद्यार्थियों की भावना- उनके धैर्य, मौलिकता और महत्वाकांक्षा का जश्न मनाने का एक मंच है। आज इसे देश में स्नातकों के प्रदर्शन का सबसे बेहतरीन मंचों में से एक के तौर पर जाना जाता है। जो चीज़ मुझे सबसे अधिक उत्साहित करती है वह यह है कि हमारे विद्यार्थी ना केवल परिष्कृत कौशल, बल्कि संदर्भ, सहानुभूति, टिकाऊपन और नवप्रवर्तनी की गहरी समझ के साथ इस दुनिया में कदम रख रहे हैं जोकि आने वाले कल के रचनात्मक नेताओं के लिए आवश्यक घटक हैं।

पेट फूड मार्केट में विदेशियों का दबदबा देख बजी दिमाग की घंटी, अपना ब्रांड किया लॉन्च, अब करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रहने वाले फहीम सुल्तान अली ने जबरदस्त कारोबारी सफलता हासिल की है। वह ड्रूल्स पेट फूट के संस्थापक हैं। साल 2010 में उन्होंने इसकी नींव रखी थी। फहीम ने इसे आईबी ग्रुप के तहत शुरू किया था। उनका मकसद था भारत में बने किफायती और अच्छे पेट फूड बनाना। आज ड्रूल्स एक बड़ा ब्रांड बन गया है। यह लगभग 800 करोड़ रुपये का कारोबार करता है। यह हर साल 40 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। आइए, यहां फहीम सुल्तान अली की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विदेशी ब्रांडों का दबदबा देख चला दिमाग – छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में रहने वाले फहीम सुल्तान अली ने भारत में पेट फूड मार्केट में विदेशी ब्रांडों के दबदबे को देख स्थिति बदलने का फैसला किया। उन्होंने देखा कि विदेशी पेट फूड महंगे हैं। साथ ही उनमें पोषण भी कम है। लिहाजा, उन्होंने 2010 में ड्रूल्स की शुरुआत की। उनका मकसद था कि भारत में ही किफायती और अच्छी क्वालिटी का पेट फूड बनाया जाए। फहीम ने ढ्ढक्रग्रुप के तहत इस ब्रांड की शुरुआत की, जो पहले से ही पोल्ट्री और पशुधन फीड के क्षेत्र में मौजूद थी। इस पृष्ठभूमि ने उन्हें गुणवत्तापूर्ण सामग्री की सोर्सिंग और निर्माण प्रक्रिया को समझने में मदद की। उन्होंने देखा कि भारतीय पालतू पशु मालिकों को स्थानीय रूप से बने उत्पादों की जरूरत है जो उनके बजट में फिट हों।

एथर रिज़्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट्स बिकीं

● रिज़्टा ने मुख्य राज्यों में एथर का बाजार अंश बढ़ाया। ● पिछले साल रिज़्टा लॉन्च होने के बाद एथर के कुल सेल वॉल्यूम में इसकी हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है

बैंगलुरू, एजेंसी। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड के फैमिली स्कूटर, रिज़्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट बिक चुकी हैं। रिज़्टा ने बाजार में उतरने के एक साल के अंदर यह उपलब्धि हासिल कर ली है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर अप्रैल, 2024 में लॉन्च किया गया था। रिज़्टा को भारत में फैमिली स्कूटर के ग्राहकों ने बहुत पसंद किया है, जिन्होंने एथर के बाजार अंश को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस उपलब्धि के बारे में रवनीत फोकेला, चीफ बिज़नेस ऑफिसर, एथर एनर्जी ने कहा, ''रिज़्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट्स का बिकना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। रिज़्टा का निर्माण भारतीय परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया है। इसने हमें बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुँचाकर हमारा विस्तार करने में अहम भूमिका निभाई है। इसमें वह हर विशेषता मौजूद है, जो एक फैमिली स्कूटर में होनी चाहिए। इसकी सीट विशाल और आरामदायक है। पर्याप्त स्टोरेज मिलता है। बेहतरीन सुरक्षा विशेषताएं हैं और यह विश्वसनीय है, जिससे दैनिक आवागमन आसान हो जाता है। ये सभी विशेषताएं एक बेहतरीन डिज़ाईन में दी गई हैं, जिसके लिए एथर मशहूर है।

गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड का आईपीओ 4 जून 2025 को खुलेगा

कुल इश्यू साइज - 10 के फेस वैल्यू वाले 66,63,000 इक्विटी शेयर तक

मुंबई, एजेंसी। गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड (कंपनी, गंगा), जो बाथरूम एक्सेसरीज की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करती है, बुधवार, 4 जून 2025 को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने जा रही है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी 32.65 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड के अनुसार) जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा उपकरण/मशीनरी की खरीद हेतु पूंजीगत व्यय, कुछ कर्जों का पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। यह इश्यू 6 जून 2025 को बंद होगा।

इस इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर है जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, और रजिस्ट्रार है केएफआईएन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड। गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जिमी तुषारकुमार तिलवा ने कहा- हम अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम की घोषणा करते हुए अत्यंत हर्षित हैं – यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कंपनी की यात्रा को दर्शाता है कि कैसे एक घरेलू निर्माता से हम भारतीय सैनिटरीवेयर उद्योग के एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। वर्षों से, हमने गुणवत्तायुक्त और विविध उत्पाद पोर्टफोलियो तैयार किया है, जिसे हम अपने इन-हाउस ब्रांड्स, ओईएम साझेदारियों और ट्रेडिंग गतिविधियों के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। यह आईपीओ हमारे भविष्य के दृष्टिकोण को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा – जिससे हम आधुनिक मशीनरी में निवेश कर सकेंगे, अपने निर्माण कार्यों को बढ़ा सकेंगे और अपनी वित्तीय नींव को सशक्त कर सकेंगे। यह नवाचार और बाजार में गहराई से प्रवेश की दिशा में पहला कदम है। यह हमारे विकास की नई शुरुआत है।

जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री अनुप कुमार गुप्ता ने कहा हम गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड के आईपीओ के लिए लीड मैनेजर के रूप में जुड़कर प्रसन्न हैं। कंपनी उत्पाद गुणवत्ता, परिचालन दक्षता और बाजार विकास पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए कार्य कर रही है।

जीत के बाद भावुक होकर विराट बोले

मेरा दिल और आत्मा सब कुछ आरसीबी के साथ

मैंने अपनी जवानी और अनुभव सहित सभी टीम को दिया

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद उसके पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये। विराट ने कहा कि मेरा दिल बेंगलुरु के साथ है, मेरी आत्मा बेंगलुरु के साथ है। ये कहते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल गये। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने जैसे ही 20वें ओवर की अंतिम गेंद फेंकी। जीत की खुशी में विराट की आंखों से आंसू गिरने लगे। अपना चेहरा उन्होंने छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ियों ने उन्हें घेरे लिया। 18 नंबर की जर्सी का खिताबी इंतजार 18 साल में जो समाप्त हुआ था। तीन फाइनल हारने के बाद आरसीबी पहली बार कोई फाइनल जीती है। ये क्षण विराट पर भरोसा करने वाली एक टीम के लिए भावुक करने वाला था। पिछले 18 साल की असफलता और निराशा इस एक पल में कहीं पीछे हो गई। एक खिताब जिसकी तलाश में विराट थे वह

आंखिरकार उन्हें मिल ही गया। विराट ने जीत के बाद कहा कि ये ट्रॉफी जितनी मेरे लिए है, उनती ही प्रशंसकों के लिए भी कीमती है। पिछले 18 साल हो गए हैं। मैंने इस टीम को अपनी जवानी, अपना अनुभव सहित सब कुछ दिया है। मैंने हर सीजन में इसे जीतने की कोशिश की थी। अंत में ये जीत हासिल करना विश्वसनीय एहसास है। इसी कारण आखिरी गेंद फेंके जाने के बाद मैं भावनाओं से भर गया था। मैंने इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी यह एक अनौखा अनुभवी है। विराट के एकमात्र क्रिकेटर हैं, जो लगातार एक ही टीम से खेल रहे हैं।

ट्रॉफी के साथ बेहद खुश नजर आये विराट और अनुष्का

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में खिताबी जीत के बाद भावुक हो गये और दौड़कर अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के पास पहुंच गये। इस दौरान अनुष्का भी भावुक नजर आयीं क्योंकि टीम ने जो सपना देखा था वह अब साकार हुआ। विराट एक दशक से अधिक समय से इस जीत का इंतजार कर रहे थे। साल 2008 से ही वह आरसीबी से खेल रहे थे इस दौरान टीम तीन बार फाइनल में भी पहुंची थी पर उसे खिताब नहीं मिल पाया था।

लीग क्रिकेट के प्रति आकर्षित होकर समय

समय से पहले संन्यास ले रहे कई खिलाड़ी

आने वाले समय में क्लब कल्चर हावी होगा

मम्बई। जिस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने टी20 लीग में खेलने अचानक ही अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उससे ये संकेत मिल रहे हैं कि भविष्य में क्रिकेट में भी क्लब कल्चर आयेगा। मैक्सवेल और क्लासेन से पहले भी कई अन्य खिलाड़यों ने भी ऐसा ही किया है। इसमें वेस्टइंडीज के सबसे अधिक खिलाड़ी हैं। इससे वेस्टइंडीज की टीम बेहद कमजोर हो गयी क्योंकि दिग्जज खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जगह लीग क्रिकेट को प्राथमिकता देने लगे। खिलाड़ियों इस बदलाव के पीछे व्यक्तिगत प्राथमिकताएं, वित्तीय लाभ, और खेल की बढ़ती व्यावसायिकता शामिल हैं। पहले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ही देश के बजाए फ्रेंचाईजी क्रिकेट को अधिक वरीयरता दे रहे था पर अब इनमे कई और देशों के खिलाड़ी भी शामिल होने लगे हैं। न्यूजीलैड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन सहित कई खिलाड़ियों ने केन्द्रीय अनुबंध देने से हंकार कर दिया है। हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न देशों के 60 फीसदी सवे अधिक प्रमुख खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर केवल घरेलू फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने पर विचार कर रहे हैं. इसका मुख्य कारण लीगों में बेहतर वित्तीय अवसर और कम समय की प्रतिबद्धताएं हैं। इसके परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्राथमिकता में कमी और लीगों की बढ़ती लोकप्रियता देखी जा रही है। जिस उम्र में खिलाड़ी सन्यांस ले रहे है वो खेल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता रहा है। खिलाड़ियों का यह रुझान अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तरफ ज्यादा बढ़ रहा है जो खेल की संरचना में बदलाव का संकेत देता है कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रतिष्ठा प्रभावित होगी।

राजगीर में तेजी से बन रहा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

पटना। बिहार की राजधानी पटना में राजगीर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण का काम तेजी से चला रहा है। इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के साथ-साथ स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं मिल सकेंगी। ये स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इसमें अत्याधुनिक हाई मास्ट लाइट, साउंड सिस्टम, वाटर सप्लाई, फायर अलार्म, फायर फाइटिंग सिस्टल भी लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेडियम में लाल मिट्टी से बनाई जा रही 6 क्रिकेट पिचों का कार्य पूरा हो गया है। पिच पर घास लगाने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। काली मिट्टी से 7 क्रिकेट पिच बनाई गई है। पिच पर घास लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा जनरल स्टैंड ईस्ट, जनरल स्टैंड वेस्ट तथा रिवर्स पवेलियन का सिविल वर्क भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। सिविल वर्क के साथ ही फिनिशिंग वर्क भी किया जा रहा है। क्रिकेट स्टेडियम में मुख्य पवेलियन का कार्य पूरा हो गया है। इस काम देख रही कंपनी के अनुसार अगले दो महीने में क्रिकेट स्टेडियम को मैच के लिए तैयार कर लिया जाएगा। वहीं जिला प्रशसन की ओर से कहा गया है कि समय समय सीम में इस काम को पूरा करने के आदेश दिये गये हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने कहा कि सभी मानकों को ध्यान में रखकर कार्य पूर्ण किये जाने की शर्त रखी गयी है। मैदान पर घास लगाने का कार्य शुरू हो गया है, जिसे जल्द पूर्ण करने के लिए कहा गया है। बारिश होने पर मैदान से पानी निकासी हेतु ड्रेनेज प्रणाली विकसित की गई है। मैदान के बाहरी एरिया को विकसित करने के लिए समुचित निदेश दिया गया। इस स्टेडियम का निर्माण 72843 वर्गमीटर भूखण्ड पर किया जा रहा है जिसमें 40,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें खिलाड़ियों के लिए विशेष पवेलियन, कोच और मैनेजर के लिए बैठने की विशिष्ट व्यवस्था, वीवीआईपी अतिथियों के लिए विशेष स्टैंड शामिल होगा।

खिताब जीतते ही बदला आरसीबी का नारा, कप्तान ने किया शेयर

ई साला कप नमदु

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) कि मेहनत आंखिरकार रंग लायी और रजत पाटीदार की कप्तानी में उसने आईपीएल खिताब अपने नाम किया। फाइनल में आरसीबी ने पहले खेलते हुए 190 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 184 रन ही बना पाई। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की पारी लड़खड़ा गयी और उसके हाथ से मैच फिसल गया। वहीं आरसीबी ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावी प्रदर्शन किया।

जीत के साथ ही आरसीबी का नारा भी बदल गया। अब तक जहां कन्नड़ भाषा में ई साला कप नमदे (इस बार कप हमारा होगा) का नारा टीम के खिलाड़ी लगाते थे। वहीं ट्रॉफी जीतते ही टीम का नारा भी बदल गया। इसी लिए टीम के कप्तान रजत पटीदार ने जीत के बाद कहा, ई साला कप नमदु। वहीं टीम के साथ लंबे समय तक रहे एबी डिविलियर्स ने नया नारा ई साल कप नमदु पोस्ट किया है। कन्नड़ में ई साला कप नमदु का मतलब होता है।] इस साल कप हमारा हुआ। आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना अलग ही अंदाज दिखाया। फाइनल में उसने एक रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 7 रनों से हराया। इससे पहले भी आरसीबी तीन बार खिताबी मुकाबले में पहुंची थी पर तीनो ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2008 में आईपीएल शुरु होने के 17 साल के बाद वह विजेता बनी है। ।

विराट की भूमिका निभाना चाहते थे शाहरुख

मुम्बई। हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया था और अब वह केवल एकदिवसीय खेलते हैं। विराट की फिटनेस ओर उसके खेल के प्रशंसक भारत ही नहीं दुनिया भर मे हैं। बॉलीवुड अभिनेता और आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक शाहरुख खान भी विराट के एक बड़े प्रशंसक हैं। शाहरुख का एक पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह फिल्म में विराट की भूमिका निभाना चाहेंगे। शाहरुख एक ऐसे अभिनेता तो अपने को

भूमिका में पूरी तरह से ढ़ाल लेते हैं। शाहरुख स्पोर्ट्स ड्रामा भी कर चुके हैं। साल 2017 में 'जब हैरी मेट सेजल' के प्रोमोशनल इवेंट में जब उन्से पू छा गया था कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर का रोल निभाना हो तो वे किसे चुनेंगे। तब उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा था 'विराट कोहली।' तब शाहरुख ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कोहली की तरह जुनून से भरा खिलाड़ी बनना चाहूंगा। उनकी एनर्जी और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता मुझे हैरान करती है।' यह सुनकर फिल्म की हीरोइन और तब विराट की गर्लफ्रेंड रहीं अनुष्का शर्मा ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ' इसके लिए आपको दाढ़ी तो बढ़ानी पड़ेगी।'

धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं

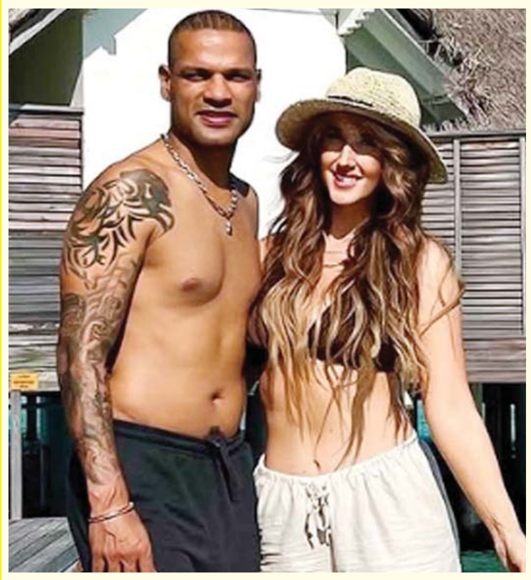

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अब दूसरी बार घर बसाने की तैयारी में लगते हैं। धवन ने हाल ही में 69 करोड़ का एक अपार्टमेंट भी लिया है जिससे इन अटकलों को बल मिलता है। आयशा मुखर्जी से तलाके बाद आजकल शिखर धवन आजकल आयलैंड की सोफी शाइन के साथ रिलेशनशिप में हैं। धवन को कई जगहों पर सोफी के साथ देखा गया था। शुरुआत में उन्होंने अपनी रिलेशिप को जाहिर नहीं किया था पर हाल ही मैं उन्होंने अफेयर की बात मानी है। धवन ने अपनी गर्लफ्रेंड सोफी के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें धवन समंदर किनारे अपनी सोफी का जन्मदिन मनाते दिख रहे हैं। धवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोफी के साथ एक रिजॉर्ट से तस्वीरें शेयर की हैं। शिखर और सोफी की तस्वीरों पर प्रशंसकों ने तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। कई प्रशंसकों ने सोफी को हैप्पी बर्थडे भाभीजी कहकर बधाई दी है। धवन की पोस्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने भी सोफी को बर्थडे विश करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे ब्यूटीफुल।' वहीं सोफी शाइन ने इस कमेंट के रिप्लाई में जैकलीन को जवाब देते हुए कहा, 'थैंक्यू एंजल।'धवन ने अपने पोस्ट के साथ लोकेशन शेयर नहीं की थी पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने उनकी पोस्ट पर कमेंट करके उनकी इस जगह का खुलासा कर दिया है। वॉर्नर ने शिखर के पोस्ट में कमेंट किया कि फिजी काफी अमेजिंग लग रहा है दोस्त।' इससे पता चलता रहा है कि धवन सोफी के साथ दक्षिण प्रशान्त महासागर के मेलानेशिया मे एक द्वीप देश फ़िजी गए हैं।

भारतीयों की मालिकाना हक वाली विदेशी टी-20 टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भरमार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों पर रोक लगा रखी है। न सिर्फ द्विपक्षीय श्रृंखलाएं रुकी हैं, बल्कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके पीछे मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी गतिविधियां हैं, जिनके चलते भारतीय जनभावनाएं भी इसी दिशा में दृढ़ रही हैं। हालांकि, इसी दौरान एक विरोधाभासी तस्वीर विदेशी टी-20 लीगों में देखने को मिल रही है, जहां भारतीय उद्यमियों और कंपनियों के स्वामित्व वाली टीमों में पाकिस्तानी या पाक मूल के खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी जा रही है।

संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रही टी-20 लीग प्रतियोगिताओं में कई ऐसी टीमें हैं जिनके मालिक भारतीय हैं, लेकिन उनके खिलाड़ी पाकिस्तानी हैं। इनमें रिलायंस समूह, अदाणी समूह, कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान, और यहां तक कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला तक शामिल हैं। इन टीमों में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं या फिर हाल ही में दूसरे देशों की नागरिकता लेकर वहां की लीगों में खेल रहे हैं।

उदाहरण के लिए, यूएई में इंटरनेशनल लीग टी-20 की टीम 'अबूधाबी नाइट राइडर्स' में अली खान और इबरार अहमद जैसे खिलाड़ी हैं, जबकि इसके मालिक हैं कोलकाता नाइट राइडर्स के भारतीय स्वामित्व वाले कारोबारी। 'एमआई एमिरेट्स', जो रिलायंस ग्रुप की टीम है, उसमें मोहम्मद वसीम, जहूर खान जैसे पाक मूल के खिलाड़ी खेल रहे हैं। अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में 'सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स' टीम के पास हैरिस रऊफ और हसन खान जैसे सीधे पाकिस्तान से आने वाले खिलाड़ी हैं। इस टीम के मालिक वेंकी हरिनारायण और आनंद राजारमन जैसे भारतीय मूल के लोग हैं। सिएटल ऑरकॉस टीम में पाकिस्तान मूल के शायन जहांगीर हैं और यह टीम माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला के स्वामित्व में है। टेक्सॉस सुपर किंग्स, लॉस एंजेल्स नाइट राइडर्स, और वॉशिंगटन फ्रीडम जैसी टीमों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ी सक्रिय रूप से शामिल हैं, जिनके मालिक भारतीय हैं।

यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत और पाकिस्तान के संबंध बेहद संवेदनशील हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तानी क्रिकेट से दूरी बनाई गई है। इसके बावजूद विदेशी मंचों पर भारतीयों द्वारा प्रायोजित टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की मौजदूगी कई सवाल खड़े करती है।

प्रदेश में बदला रहेगा मौसम, कई जिलों आंधी-बारिश का अलर्ट, अगले चार दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल । प्रदेश में प्री-मानसून की बारिश का दौर जारी है। बुधवार को भी प्रदेश के कई जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले मंगलवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के 15 से अधिक जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। आज ग्वालियर-नर्मदापुरम समेत 17 जिलों में 60 किमी प्रतिघंटा या इससे अधिक रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट है। वहीं, पूरे प्रदेश में बादल छाए रहेंगे। इस बार भीषण गर्मी में भी आंधी-बारिश वाला मौसम है। प्रदेश में 26 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था, जो 3 जून को भी जारी रहा। यानी, लगातार 39 दिन से प्रदेश के किसी न किसी जिले में पानी गिर रहा है या आंधी चल रही है। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन यानी 7 जून तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया है। प्रदेश में आंधी-बारिश के सिस्टम एक्टिव हैं। इस वजह से मौसम बदला हुआ है।

आज इन जिलों में बदला रहेगा मौसम : मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, आगर-मालवा, शाजापुर, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा में तेज आंधी चलने का अलर्ट है। आंधी की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। इसी तरह भोपाल, इंदौर, उज्जैन, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, देवास, धार, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर गुना, राजगढ़, सतना, मैहर, मऊगंज, कटनी, जबलपुर, उमरिया, शहडोल,

अनूपपुर, डिंडौरी और नीमच में बारिश होने की संभावना है।

लगातार बारिश से तापमान में गिरावट: मंगलवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, नीमच, धार, खरगोन, रायसेन, मंदसौर, छतरपुर के खजुराहो, मंडला, रीवा, सागर, उमरिया में बारिश हुई। 9 घंटे में रायसेन में 1 इंच से ज्यादा पानी गिरा। खरगोन में पौन इंच बारिश हुई। भोपाल में सुबह से ही रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। इससे दिन का तापमान 33.4 डिग्री पर आ गया। इंदौर में 31.3 डिग्री, ग्वालियर में 34.1 डिग्री, उज्जैन में 31.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 36 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार को छतरपुर के नौगांव में सबसे ज्यादा तापमान 38.5 डिग्री रहा। टीकमगढ़, खरगोन, खंडवा में भी पारा 37 डिग्री के आसपास रहा। प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां दिन का तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एक ही जगह पर ठहरा मानसून : मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि मानसून से पहले प्रदेश में प्री-मानसून की एक्टिविटी जारी है। सिस्टम की वजह से प्रदेश में कहीं तेज आंधी चल रही है तो कहीं बारिश हो रही है। अगले चार दिन यानी, 6 जून तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। प्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही होने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो अभी मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। पिछले कुछ दिन से ये आगे नहीं बढ़ा है।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

5 जून : इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, शाजापुर, खरगोन, बड़वानी, धार, रतलाम, झाबुआ और अलीराजपुर में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

6 जून: अशोकनगर, विदिशा, नीमच, मंदसौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा और बैतूल में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है।

7 जून : भोपाल, इंदौर, उज्जैन, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, सतना, मैहर, मऊगंज, कटनी, जबलपुर, अनूपपुर, डिंडौरी और नीमच में बारिश होने की संभावना है। यहां हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक हो सकती है।

30 जून तक चलेंगे सघन मलेरिया जागरूकता को लेकर कार्यक्रम

भोपाल, नप्र।

मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत मलेरिया से बचाव और लक्षणों की जानकारी के लिए 30 जून तक सघन जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। मलेरिया रोधी माह हर साल जून महीने में देशभर में मनाया जाता है , ताकि मानसून और संक्रमण के मौसम की शुरुआत से पहले बीमारी के प्रसार को रोकने की जागरूकता पैदा की जा सके। माह के दौरान जिला मलेरिया कार्यालय द्वारा एंबेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया के सहयोग से समुदाय के बीच में पहुंचकर मलेरिया रोकथाम के उपायों को समझाया जा रहा है। शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैली, स्लोगन राइटिंग सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन माह के दौरान किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में गंबूशिया मछली का संचयन किया जाएगा।

मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों के फलस्वरुप भोपाल जिले में स्थिति काफी बेहतर है। इस साल अब तक 57263 लोगों की मलेरिया जांच की जा चुकी है, जिनमें से 4 मलेरिया पॉजिटिव मरीज मिले हैं। मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। एनाफिलीज मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है। ठंड लगकर बुखार आना मलेरिया का सबसे प्रमुख लक्षण है । मलेरिया का खतरा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को ज्यादा रहता है। मलेरिया का शीघ्र एवं पर्याप्त उपचार नहीं लिया जाए तो मलेरिया से रोगी की मृत्यु भी हो सकती है । गर्भावस्था में मलेरिया गंभीर हो सकता है और जच्चा और बच्चा भी जान को भी खतरा हो सकता है।मलेरिया नियंत्रण हेतु शीघ्र जांच एवं पूर्ण उपचार , घर-घर भ्रमण कर बुखार रोगियों की मलेरिया जांच हेतु सर्विलेंस, कीटनाशक युक्त मच्छरदानी का वितरण, कीटनाशक छिड़काव , लार्वा नियंत्रण हेतु गतिविधियां, प्रशिक्षण एवं सपोर्टिव सुपरविजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि मच्छर के प्रजनन पर रोक लगाने के घर के आसपास अनावश्यक जल भराव को रोकना, पानी को हमेशा ढक कर रखना, पानी के बर्तनों , मटका, टंकी, कूलर आदि की हर चौथे दिन पानी बदल कर सफाई करने आदि को अपनाने के लिये आमजनों को प्रेरित किया जा रहा है।

मलेरिया की जांच एवं दवाइयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निशुल्क उपलब्ध है । आशा कार्यकर्ता से संपर्क करके भी जांच करवाई जा सकती है ।

फांसी पर लटकी मिली नाबालिक, चाचा लेकर पहुचा अस्पताल, मोबाइल में मिली चैटिंग

भोपाल निप्र। पुलिस को मिली नाबालिक की मोबाइल में चैटिंग। थाना छोला में पदस्थ मामले की जांच कर रहे एस आई महेश सरयाम से मिली जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय नाबालिक निवासी छोला मंदिर क्षेत्र ने मंगलवार दोपहर अपने घर पर फांसी लगा ली। जब उसने फांसी की घटना को अंजाम दिया। उस वक़्त वह घर पर अकेली थी। मृतका के माता पिता काम पर गए थे और छोटा भाई बाहर खेल रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जब मृतका ने फांसी लगाई उस समय उसका चाचा घर पहुचा था। उसे फांसी पर लटकी मृतका मिली, जिसकी सांसे चल रही थी। तत्काल वह उसे फांसी के फंदे से उतार हमीदिया अस्पताल लेकर पहुचा था। जहां डॉक्टर्स ने उसे चेक कर मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अस्पताल की सूचना पर मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पुलिस को मृतका के मोबाइल में किसी से काफी लंबी चैटिंग मिली है। पुलिस ने मोबाइल जप्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार मोबाइल से चैटिंग के बाद ही उसने आत्महत्या का कदम उठाया।

ढोल बजाने वाले ने लगाई फांसी

बैरागढ़ में ढोल बजाने वाले शराब पीने के आदि युवक ने अपने घर पर लगाई फांसी। बताया जा रहा पिता पुत्र का हुआ था विवाद। थाना बैरागढ़ में पदस्थ मामले की जांच कर रहे प्रधान आरक्षक महेंद्र सिंह से मिली जानकारी के अनुसार मृतक मोनू राव पिता सुनील राव उम्र 23 वर्ष निवासी मछली मार्केट बैरागढ भोपाल। जो ढोल बजाने का कार्य करता था। उसके पिता भी ढोल बजाया करते है। मृतक के पिता शराब पीने के आदि थे। युवक ने अपने पिता से कहा कि तुम शराब मत पिया करो। तब पिता ने कहा मैं अपने पैसों की पीता हूं पियूंगा। इस बात पर दोनों का विवाद हुआ था। तो मृतक ने भी शराब पीकर शराब के नशे में फांसी लगाकर जान दे दी। तत्काल फांसी लगाने के बाद फांसी के फंदे पर झूले मृतक युवक को तत्काल उसका पिता चिरायु अस्पताल लेकर पहुंचा था। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अस्पताल की सूचना पर मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

शराब के नशे में डी पी पर चढ़ा युवक नीचे गिरा, अस्पताल में हुई मौतः थाना बजरिया से मिली जानकारी के अनुसार देवेंद्र जाटव पिता ओमप्रकाश जाटव उम्र 24 वर्ष निवासी चंदवाद स्टेशन बजरिया भोपाल। जो 4 जून की रात अचानक शराब के नशे में चंदवाद स्टेशन बजरिया स्थित डीपी में कोई तार जोड़ने चढ़ गया था। जो शराब के नशे में था और वहां से झटका लगने के बाद वह नीचे गिर गया। जिसे घायल अवस्था मे आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस से हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवाया था। जिनकी उपचार के दौरान हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने अस्पताल की सूचना पर मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक मेहनत मजदूरी का काम करता था।

राज्य स्तरीय 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन

भोपाल । स्नूकर खेल प्रोत्साहित करने के लिए 04 से 07 जून 2025 तक राज्य स्तरीय 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन तात्याटोपे स्टेडियम भोपाल में होगा। प्रतियोगिता में प्रदेश के कुल 32 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार भी दिया जाएगा। सबसे ज्यादा ब्रेक लगाने वाले स्नूकर खिलाड़ी को और क्वार्टर फायनल, सेमीफायनल और फायनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को भी नकद राशि से पुरस्कृत किया जायेगा। प्रतियोगिता में प्रिंयक जायसवाल, उजेर खान, पीयूष कुशवाह, उदित राय, सचिन परिहार, दिव्यांश शुक्ला, सौरभ श्रीवास्तव व प्रतीक जैन जैसे ख्याति प्राप्त खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे है। प्रतियोगिता संचालन के लिए पंकज नंदनवार चीफ रेफरी रहेंगें। भोपाल में पहली बार युवाओं में स्नूकर खेल को प्रोत्साहित करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संचालक खेल और युवा कल्याण श्री राकेश गुप्ता उपस्थित रहेंगे।

पंढरपुर में करुणाधाम धर्मशाला का भूमि पूजन

भोपाल निप्र। करुणाधाम आश्रम द्वारा श्री पंढरपुर धाम में धर्मशाला का भूमि पूजन गुरुवार 5 जून को किया जा रहा है। आश्रम के श्री शाश्वत शांडिल्य ने बताया कि पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश शांडिल्य महाराज और ममतामयी श्रीमाँ श्रीमती शाण्डिल्य धर्मशाला का भूमि पूजन करेंगे। इसके बन जाने से श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। करुणाधाम आश्रम भक्तों की सेवा के लिए धर्मशाला का निर्माण प्रारंभ कर रहा है। गंगा दशहरा के दिन इसका भूमि पूजन 5 जून को पंढरपुर धाम में होने जा रहा है। जल्द ही धर्मशाला श्रद्धालुओं की सेवा के लिए तैयार होगी।

भोपाल में शुरू प्रदेश की पहली माइक्रोब्रूवरी लिलासन्स हाउस का हुआ भव्य उद्घाटन

भोपाल। मध्यप्रदेश के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है राजधानी भोपाल में राज्य की पहली माइक्रोब्रूवरी लिलासन्स ब्रूहाउस का भव्य उद्घाटन हुआ यह ब्रूहाउस प्रतिष्ठित हाउस नंबर 230 ङ्क द गॉरमेट किचन एंड बार में शुरू किया गया है इस विशेष अवसर पर मध्यप्रदेश के आबकारी आयुक्त श्री

अभिजीत अग्रवाल एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री वीरेन्द्र धाकड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे और उन्होंने रिबन काटकर ब्रूहाउस का उद्घाटन किया। यह माइक्रोब्रूवरी प्रसिद्ध खजुराहो बीयर के निर्माताओं द्वारा स्थापित की जा रही है और इसमें हाथ से बनी ताज़ा क्राफ्ट बीयर, विश्वस्तरीय भोजन और लाइव ब्रूइंग अनुभव का अनूठा संगम है । इस आयोजन में शहर के प्रतिष्ठित अतिथि, खाद्य एवं पेय उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और युवा वर्ग की भागीदारी रही है

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सवः धूमधाम से निकली कलश यात्रा

भोपाल, नप्र। लालघाटी सावन नगर स्थित श्री प्राचीन हनुमान मंदिर का पुर्ननिर्माण और श्रीराम दरबार, नर्मदेश्वर शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन किया गया है। पहले दिन मंगलवार को सुबह हलालपुर स्थित खाती धर्मशाला से कलश यात्रा निकाली गई जो मुख्य मार्ग से होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंची। कलश यात्रा में महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखकर शामिल हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान की भक्ति में लीन नजर आए। इसके बाद हेमाद्रि, प्रायश्चित, मण्डप, प्रवेश पीठार्चन, देव आवाहन, जलाधिवास किया गया। मनोज वर्मा और पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे ने बताया कि 4 जून को देव आवाहन, स्थापित देव पूजन, ग्रहमण्डल पूजन, अन्नाधिवास, अग्नि स्थापना एवं हवनारंभ होगा और 5 जून को पूजन अवाहित देवता, हवन, प्राण प्रतिष्ठा श्रृंगार एवं पूर्णाहुति के बाद शाम 6 से 9 बजे तक विशाल भण्डारा होगा। कलश यात्रा में पंडित राजेंद्र दुबे, संतोष शर्मा, कार्यक्रम के मुख्य यजमान शांति एवं भगवती गुप्ता, आजाद, राजू पवन गुप्ता परिवार के अलावा सावन नगर हलालपुर एवं अन्य कॉलोनी से सैकड़ो की संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत भोपाल स्टेशन पर मिला दो लाख रुपये मूल्य का सामान किया गया सुपुर्द

आरपीएफ की सजगता से यात्री का खोया बहुमूल्य सामान सुरक्षित रूप से लौटाया गया

भोपाल, नप्र।

मंडल द्वारा रेल यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत यात्रियों के खोए हुए सामान को खोजकर उन्हें लौटाने का कार्य सतत रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में रेसुब पोस्ट भोपाल के आरक्षक श्री आर. मधुसूदन प्लेटफार्म संख्या 2 के पोल नंबर 7 के पास ड्यूटी पर तैनात थे, जहाँ उन्हें एक कत्थई रंग का ट्रॉली सूटकेस लावारिस अवस्था में मिला। आसपास मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई, परंतु कोई भी यात्री उसे अपना नहीं बता सका। तत्पश्चात यात्रियों की उपस्थिति में सूटकेस खोला गया, जिसमें चांदी की पायल, बिछिया, कमरबंद, झुमका, सोने का मंगलसूत्र, एक वीवो कंपनी का मोबाइल, एक कैमरा स्टैंड और कुछ वस्त्र पाए गए। इनकी अनुमानित कीमत लगभग 2,00,000 आँकी गई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि उक्त सामान को तत्काल रेसुब पोस्ट भोपाल लाया गया और रेल मदद पर दर्ज शिकायत से प्राप्त सूचना का मिलान किया गया। शिकायतकर्ता श्री रविंद्र गोस्वामी, निवासी बरखेड़ा, भोपाल ने बताया कि वे ट्रेन संख्या 22146 एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे और भोपाल स्टेशन पर उतरने के बाद उन्हें यह ज्ञात नहीं रहा कि उनका सूटकेस ट्रेन में छूट गया या प्लेटफार्म पर। उन्होंने तत्परता से रेल मदद ऐप पर शिकायत दर्ज की थी। इसके पश्चात शिकायतकर्ता के संबंधी श्री दिनेश गोस्वामी, आधार कार्ड सहित रेसुब पोस्ट भोपाल पहुंचे। आधार कार्ड से पहचान की पुष्टि एवं मालिक श्री रविंद्र गोस्वामी से बातचीत के उपरांत, दो गवाहों की उपस्थिति में सहायक उप निरीक्षक श्री राघवेंद्र सिंह द्वारा उक्त बहुमूल्य सामान को सुरक्षित रूप से सुपुर्द किया गया। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सतर्कता से निगरानी रखें तथा किसी भी समस्या या वस्तु के खोने की स्थिति में तुरंत रेल मदद एप या संबंधित स्टेशन के सुरक्षा स्टाफ से संपर्क करें।

लव जिहाद का छठवां आरोपी अबरार अब भी फरार

भोपाल निप्र। भोपाल के कोकता क्षेत्र में स्थित निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ हुए लव जिहाद मामले में पांचों गिरफ्तार आरोपियों को अशोकागार्डन पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। भोपाल जिला अदालत ने चार जून तक के लिए पांचों आरोपियों को पूछताछ के लिए थाना पुलिस को सौंपा है। अशोका गार्डन थाने में दो युवतियों ने दुष्कर्म, गैंगरेप, मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कराया है। मंगलवार को आरोपियों से पूछताछ करने के साथ दो आरोपियों को लेकर जाकर उनके घर की शिनाख्ती कराई गई। इसके साथ ही उन दो स्थानों पर भी ले जाया गया, जहां फरहान सहित अन्य आरोपियों ने कॉलेज छात्राओं को नशा कराकर दुष्कर्म कर हिंदू धर्म को अपमानित करते हुए वीडियो बनाए गए थे। लव जिहाद मामले का छठवां आरोपी कोलकाता निवासी अबरार अब भी फरार है।

क्या है पूरा मामलाः जानकारी के अनुसार छोटा चंबल थाना ऐशबाग निवासी फरहान कोकता स्थित एक निजी कॉलेज का छात्र है। उसने अपने ही कॉलेज में गरीब घर की दूसरे जिलों से भोपाल आकर पढ़ने वाली छात्राओं से दोस्ती करता और उन्हें अपने ठिकानों पर लेजाकर जबरन दुष्कर्म करता और उसका वीडियो बनाकर मुस्लिम धर्म और रीति रिवाज अपनाने का दबाव बनाता। फरहान के साथ छह आरोपी इस केस में शामिल हैं। अब तक छह युवतियों ने फरहान और उसके गिरोह के युवकों पर बागसेवनिया, जहांगीरबाद, अशोका गार्डन थानों में प्रकरण दर्ज करा चुकी हैं। फरहान, सैय्यद अली, साहिल, नबील और साद उर्फ शमशुद्दीन को गिरफ्तार किया है। कोलकाता निवासी अबरार फरार है। साद को छोड़कर सभी आरोपी एक ही कॉलेज के छात्र है। अशोका गार्डन पुलिस ने पांचों आरोपियों को दो दिन की रिमांड पर लिया है। चार जून को आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

कॉलेज के डायरेक्टर पर दर्ज नहीं हुआ केस

जिस कॉलेज की आधा दर्जन छात्राओं के साथ लव जिहाद, रेप, गैंगरेप जैसी घटनाएं की गई हैं, उसी कॉलेज के विधि विभाग के डायरेक्टर अरूण पाण्डेय के खिलाफ चार छात्राओं ने छेड़छाड़ करने, बैड टच करने और खुश करने की इच्छा जाहिर करने जैसे आरोपों को लेकर पिपलानी थाने में शिकायत की हैं तीन छात्राओं के बयान भी थाना पुलिस ने दर्ज कर लिया है, लेकिन डायरेक्टर के खिलाफ कोई पकरण दर्ज नहीं किया है। छात्राओं की शिकायत के बाद कॉलेज प्रबंधन ने अरूण पाण्डेय को डायरेक्टर के पद से हटा दिया, लेकिन दूसरे दिन छात्राओं को ही कटघरे में खड़ा करते हुए कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि सभी छात्राओं की अटेंडेंस शार्ट थी, इसलिए परीक्षा फार्म फारवर्ड नहीं किए गए और छात्राओं ने अरूण पाण्डेय पर झूठे आरोप लगा दिए।

अमरकंटक पावर प्लांट स्विच यार्ड का विस्तार कार्य तय समय-सीमा और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने रीवा में अमरकंटक पावर प्लांट के 220 के.व्ही. स्विच यार्ड के विस्तार कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने चचाई में 660 मेगावॉट की निर्माणाधीन यूनिट से विद्युत निकासी के लिये स्विच यार्ड और ट्रांसमिशन लाइनों की शिफ्टिंग के कार्यों को समय-सीमा, उच्चतम गुणवत्ता और प्राथमिकता से पूर्ण कराने पर जोर दिया। **ट्रिपिंग में आई कमी को बताया बड़ी उपलब्धि :** बैठक में विंध्य क्षेत्र में ट्रांसमिशन लाइनों की ट्रिपिंग की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इंजी. श्री तिवारी ने पिछले तीन वर्षों में ट्रिपिंग की घटनाओं में आई उल्लेखनीय कमी को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह मेंटेनेंस स्टाफ की सजगता और दक्षता का परिणाम है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि इसी तरह सतर्कता बनाए रखें, ताकि ट्रिपिंग की घटनाओं को और भी न्यूनतम किया जा सके। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 में सतना, रीवा, सिंगरौली में 470 फाल्ट ट्रिपिंग आई थी, जबकि 2024-25 में इसकी संख्या घटकर 273 रह गई है।

रिमोट ऑपरेशन के अनुरूप करें सबस्टेशनों का विकास : प्रबंध संचालक ने कहा कि भविष्य में एम.पी. ट्रांसको के सभी एक्स्ट्रा हाईटेंशन सबस्टेशनों को रिमोट ऑपरेशन पर लाने की योजना है। रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली सहित अन्य सभी सबस्टेशनों को रिमोट ऑपरेशन के अनुरूप तैयार किये जाने की जरूरत है। उन्होंने यार्ड फेंसिंग जैसे सुरक्षा उपायों को अनिवार्य रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन कंपनी के सभी सबस्टेशनों को डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सिस्टम से पूर्ण रूप से आइसोलेट किया जाए ताकि रिमोट ऑपरेशन की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। **कर्मचारियों के क्वार्टर्स में हो समान रखरखाव :** श्री तिवारी ने सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कंपनी के सभी कर्मचारियों के आवासीय क्वार्टर्स का मेंटेनेंस बिना किसी भेदभाव के समान रूप से किया जाए, जिससे सभी को संतोषजनक आवासीय सुविधाएँ प्राप्त हों।

स्वत्ताधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576